हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 92, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 16 सितम्बर, 2021 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

आटो और ड्रोन सेक्टर पर सरकार मेहरबान

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में राहत पैकेज को दी गई मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बुधवार को आटो और ड्रोन सेक्टर के लिए पीएलआई योजना को मंजूदी दी गई है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि सरकार भारत में विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए ऑटो उद्योग, आटो कामपोनेंट उद्योग और ड्रोन इंडस्ट्री के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम लेकर आई है। उन्होंने कहा, इस योजना में 26,058 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अनुमान है कि 5 वर्षों में लगभग 47,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश होगा और लगभग 7,60,000 व्यक्तियों के लिए रोजगार के अतिरिक्त अवसर मिलेंगे।

अनुराग ठाकुर ने कहा, आटोमोबाइल उद्योग देश के विनिर्माण सकल घरेलू उत्पाद में 35 फीसद का योगदान देता है। यह रोजगार पैदा करने में एक अग्रणी क्षेत्र है। अगर हम वैश्विक मोटर वाहन व्यापार की बात करें तो हमें भारत की भागीदारी बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पीएलआई योजना वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए और स्थानीय बाजारों के लिए लाया गया है, ताकि हम अपने उद्योग को मजबूत कर सकें। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि टेलीकाम सेक्टर में नौ संरचनात्मक सुधार किए जा रहे हैं। एजीआर की परिभाषा को बदलते हुए इससे गैर टेलीकाम रेवेन्यू को बाहर किया जाएगा। टेलीकाम सेक्टर में आटोमेटिक रूट से 100 फीसद एफडीआइ को मंजूरी दे दी गई है। इसके अलावा पीएम मोदी ने फैसला लिया है कि कस्टमर के सभी केवाइसी फार्म को अब डिजिटाइज किया जाएगा। वैष्णव ने कहा कि आगे से टेलीकाम सेक्टर के लिए सभी तरह की केवाइसी डिजीटाइज्ड होगी और किसी तरह के फार्म या कागज लगाने की जरूरत नहीं है। इससे पहले मंगलवार को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रपति भवन में करीब पांच घंटे तक मंत्रिपरिषद की बैठक हुई। इस बैठक को चिंतन शिविर कहा गया। बैठक में सादगी ही जीवन का तरीका है पर जोर दिया गया। इसमें स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कार्य क्षमता बढ़ाने को लेकर प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने कहा कि शासन में और सुधार के लिए ऐसे चार और चिंतन शिविर आयोजित किए जाएंगे।

प्रियंका टिबरेवाल के सामने टीएमसी कार्यकर्ताओं की नारेबाजी, बढ़ी तनातनी

भवानीपुर। भवानीपुर में टीएमसी और भाजपा के बीच सियासी तनातनी नए सिरे से परवान चढ़ रही है। मुकाबला सीएम ममता बनर्जी और भाजपा उम्मीदवार प्रियंका टिबरेवाल के बीच है। दोनों तरफ से सियासी बयानबाजी का दौर चरम पर है। 30 सितंबर को यहां उपचुनाव के लिए मतदान होना है। बुधवार को भाजपा और टीएमसी समर्थक आमने-सामने आ गए और टीएमसी समर्थकों ने ममता बनर्जी के पक्ष में जमकर नारेबाजी की। इस दौरान तनातनी का माहौल बन गया। इसे लेकर प्रियंका टिबरेवाल ने कहा कि वह इस तरह की नारेबाजी से बिल्कुल नहीं घबराएंगी। प्रियंका अपने समर्थकों के साथ जब जादूबाबर बाजार से गुजर रही थीं, तभी टीएमसी समर्थकों का एक गुट वहां पहुंच गया और जय बांग्ला और ममता बनर्जी जिंदाबाद के नारे लगने लगा।

वोट की खातिर देश को बांट रही भाजपा : टिकैत

मेरठ। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत आज मेरठ के कंकरखेड़ा निवासी शहीद मेजर मयंक विश्नोई के घर पहुंचे यहां से लौटते वक्त गोल्डन सर्किल स्थित कुटिया पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा जिस तरह वोट की खातिर देश को बांटने का काम करती है उसी तरह किसान आंदोलन को खत्म करने के लिए उसे भी जाति में बांटने का काम कर रही है, लेकिन किसान भाजपा के इस खेल को जान चुका है। अब वह वही करेगा जो संयुक्त किसान मोर्चा का फैसला होगा। टिकैत ने बताया कि वह आज शहीद मयंक बिश्नोई के परिजनों से मिलने आए थे। आंदोलन को 10 महीने होने के बाद भी सरकार द्वारा बातचीत नहीं करने के सवाल पर कहा कि सरकार को शर्म आनी चाहिए कि वह लोकतंत्र में बातचीत का दरवाजा बंद किए हुए हैं। अभी तक के इतिहास में कभी किसी सरकार ने ऐसा नहीं किया। गन्ना मूल्य के सवाल पर टिकैत ने कहा कि सरकार में आने से पहले भाजपा नेता 450 रुपए प्रति कुंतल की मांग करते थे, 5 साल में महंगाई भी बढ़ी है ये 450 ही करदे तो गनीमत है। केंद्र सरकार पर हमला करते हुए बोले कि सरकार अपने पूंजीपति दोस्तों को सरकारी संपत्तियों को बेचने में लगी है, बेरोजगारी चरम पर है किसान बर्बाद है, लेकिन सरकार कोई समाधान नहीं कर रही है।

तालिबान की मदद को लेकर घिरा पाक, यूएस ने कहा तालिबान को मान्यता देने की जल्दबाजी नहीं करें इमरान

वाशिंगटन। तालिबान और इमरान सरकार के रिश्ते उजागर होने के बाद अमेरिका ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। बाइडन प्रशासन ने पाकिस्तान के साथ रिश्तों की नए सिरे से समीक्षा करने का फैसला किया है। इस समीक्षा से अमेरिका और पाकिस्तान के बीच संबंध और खराब हो सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो यह तंग पाकिस्तान के लिए खतरे की घंटी होगी। बता दें कि तालिबान और पाकिस्तान के बीच संबंधों को लेकर इमरान सरकार लगातार छूट बोलती रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अमेरिकी सदन में यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि तालिबान शासित सरकार को मान्यता या कोई मदद चाहिए तो उसे अंतरराष्ट्रीय बिरादरी की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा। इसके साथ उन्होंने पाकस्तिान को भी आगाह किया कि वह तालिबान को मान्यता देने में जल्दबाजी नहीं दिखाए। प्रो. हर्ष पंत ने कहा कि तालिबान के मामले में पाकस्तिान का दोहरा चरित्र सामने आया है। पाकिस्तान एक ओर जहां तालिबान की मदद करता रहा है, वहीं दूसरी ओर दुनिया के समक्ष नापाक होने का दावा करता रहा है। पाकिस्तान हर बार कहता रहा है कि वह अफगानिस्तान सरकार की मदद कर रहा है।

अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद पाकिस्तान की कलई खुल गई है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद जिस तरह से पाकस्तिान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने तालिबान सरकार के गठन में दिलचस्पी दिखाई है उससे वह पूरी तरह से बेनकाब हो गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने तालिबान को लेकर दुनिया को गुमराह किया है। इसको देखते हुए अमेरिका, पाकिस्तान के साथ संबंधों की दोबारा समीक्षा कर रहा है। पाकिस्तान के इस दोहरे चरित्र को लेकर अमेरिकी संसदों ने भी सख्त नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की दगाबाजी को लेकर अमेरिका में बाइडन प्रशासन कटघरे में खड़ा हो गया है। तालिबान और पाकिस्तान के संबंधों को लेकर बाइडन प्रशासन ने पहली बार माना है कि पाक के हक्कानी नेटवर्क के साथ संपर्क था। पाक ने हक्कानी नेटवर्क को अपने देश में शरण दी। उन्होंने कहा कि 9/11 हमलों के बाद से अमेरिका ने पाकिस्तान को करीब 23 अरब डालर की सुरक्षा सहायता और अतिरिक्त राशि प्रदान की है। प्रो पंत ने कहा कि अमेरिका द्वारा दी जा रही ये मदद एक सहयोगी पाकिस्तान के लिए थी, लेकिन अब पाक आइएसआइ और तालिबान के रिश्ते उजागर हो गए हैं। ऐसे में यह सवाल खड़ा होता है कि क्या अमेरिका, अब पाकिस्तान को वित्तीय मदद देगा। अमेरिकी सांसदों ने पाकिस्तान के दोगले रवैये को लेकर उस पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सीनेट के कुछ सदस्यों ने उसका गैर-नाटो सहयोगी के तौर पर दर्जा खत्म करने की अपील की है।

संदिग्ध आतंकी की तलाश में दिल्ली पुलिस और यूपी एटीएस का कानपुर में डेरा, ओसामा से है कनेक्शन

कानपुर। एक बार फिर कानपुर का आतंकी कनेक्शन सामने आया है और दिल्ली में पकड़े गए आतंकी ओसामा से संबंध रखने वाले संदिग्ध आतंकी की तलाश में दिल्ली की आ रही है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उत्तर प्रदेश के चुनाव में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी कर रहे कुछ आतंकियों को गिरफ्तार

स्पेशल पुलिस सेल और यूपी की एटीएस ने कानपुर में डेरा डाल लिया है। बुधवार को रावतपुर गांव और जाजमऊ में कई स्थानों पर छापा मारकर आतंकी की तलाश की। बेहद गोपनीय तरीके से अंजाम दिए गए ऑपरेशन की सफलता के बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं किया था। इसमें से दो आतंकियों ने पाकिस्तान जाकर ट्रेनिंग भी ली थी, इनमें से एक आतंकी ओसामा लखनऊ का रहने वाला है। पुलिस के उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक ओसामा से पूछताछ में सामने आया है कि उसके संबंध कानपुर के जाजमऊ निवासी हुमेद नाम के एक युवक से हैं। इसके बारे में बताया जा रहा है कि उक्त युवक भी आतंकी साजिश में शामिल है, इसकी सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम कानपुर पहुंची, उनके साथ यूपी एटीएस के भी कुछ लोग थे। बुधवार की तड़के टीम ने सबसे पहले कल्याणपुर थाना क्षेत्र स्थित रावतपुर गांव में छापा मारा यहां के स्थानीय लोगों से पूछताछ की इसके बाद टीम जाजमऊ के लिए निकल गई बताया जा रहा है कि टीम ने इन दोनों क्षेत्रों में लगभग 4 स्थानों पर छापेमारी की है । हालांकि यह जानकारी नहीं मिल सकी की टीम हुमेद को गिरफ्तार कर सके या वह फरार होने में कामयाब रहा लेकिन जिस तरह से आतंकियों का कानपुर कनेक्शन सामने आ रहा है उससे एक बार फिर कमिश्नरेट पुलिस की चिंता बढ़ा दी है इससे पहले लखनऊ एटीएस द्वारा गिरफ्तार आतंकियों के संबंध भी कानपुर से पाए गए थे मतांतरण मैं भी कानपुर का नाम काफी जोर-शोर से उछला था।

सोनू सूद के दफ्तर पहुंची आयकर विभाग की टीम, छह जगहों पर सर्वे करने का दावा

मुम्बई। कोरोना काल में गरीब मजदूरों के मसीहा बने एक्टर सोनू सूद के मुंबई में मौजूद छह परिसरों में आयकर विभाग के अधिकारी जांच कर रहे हैं। कुछ दिन पहले ही सोनू सूद को दिल्ली सरकार ने स्कूली बच्चों के लिए शुरू किए मेंटरशिप कार्यक्रम का ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। बीते दिनों चर्चा थी कि सोनू आम आदमी पार्टी से जुड़ने वाले हैं। हालांकि एक बयान में उन्होंने सभी अटकलों को खारिज कर दिया। हालांकि इस दौरान एक्टर ने दिल्ली सरकार के कामों की जमकर तारीफ की थी। सोनू सूद ट्विटर, फोन और सोशल मीडिया के जरिए लोगों को मदद पहुंचा रहे हैं। सोनू सूद ने कोरोना काल में जिस तरह से मजदूरों की मदद की उससे उन्होंने सभी का दिल जीत लिया है। वे आज भी किसी की मदद करने की हर संभव कोशिश करते हुए नजर आते हैं। सोनू सूद अक्षय कुमार की फिल्म पृथ्वीराज का हिस्सा हैं। इसके अलावा वे और भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ जुड़े हुए हैं। साल 2020 में शुरू हुई इस खतरनाक महामारी से लगे लॉकडाउन के बीच सोनू सूद ने कई प्रवासी मजदूरों को उनके घरों तक पहुंचाते हुए नेक कार्यों की

शुरूआत की थी। बस उस वक्त से लेकर आज भी मदद का सिलसिला लगातार जारी है। सोशल मीडिया पर लोग सोनू सूद से मदद मांगते हैं और अभिनेता उन्हें फौरन मदद पहुंचाते हैं। फिर चाहे वो कोविड से जुड़ी हो या कोई अन्य समस्या हो। सोनू सूद एक बार हां कर देते हैं तो सहायता लोगों तक पहुंच ही जाती है।

बीते 24 घंटे में कोरोना वैक्सीन की 61 लाख डोज लगाई गई, अबतक कुल 75.89 करोड़ टीके लगाए गए

नई दिल्ली। देश में कोरोना टीकाकरण अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रतिदिन औसतन 65 लाख टीके लगाए जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना टीके के 61 लाख 15 हजार 690 डोज लगाए गए हैं। कुल अबतक 75.89 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं। मंत्रालय के अनुसार, 76 लाख 68 हजार 216 सत्रों में अब तक देशभर में कोरोना टीकों की 75 करोड़ 89 लाख 12 हजार 277 खुराक लगाई जा चुकी हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार कुल एक करोड़ तीन लाख 65 हजार 064 स्वास्थ्यकर्मियों को पहली खुराक दे दी गई है और 86 लाख 27 हजार 893 को दोनों खुराक दे दी गई है। एक करोड़ 83 लाख 39 हजार 480 फ्रंटलाइन वर्कर्स को पहली खुराक दे दी गई है और वहीं एक करोड़, 41 लाख 57 हजार 234 को वैक्सीन की दोनों खुराक दे दी गई है। 18-44 वर्ष के आयु वर्ग 30 करोड़ 62 लाख

20 हजार 932 लोगों की पहली खुराक और 4 करोड़ 70 लाख 46 हजार 927 लोगों टीके की दोनों खुराक दे दी गई है। देश में कोरोना के मामले फिलहाल काबू में दिखाई दे रही है। पिछले 80 दिनों से दैनिक मामले 50 हजार से कम सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में कोरोना के 27 हजार 176 मामले सामने आ गए हैं। वहीं इस दौरान 284 लोगों की मौत हो गई है। इस दौरान 38 हजार 012 मरीज ठीक हुए। एक्टिव केस तीन लाख 51 हजार 087 है। रिकवरी रेट 97.62 फीसद है। पाजिटिविटी रेट 1.69 फीसद है। इस दौरान कोरोना संक्रमण का पता लगाने के लिए बीते 24 घंटे में 16 लाख 10 हजार 829 सैंपल टेस्ट हुए। कुल अबतक 54 करोड़ 60 लाख 55 हजार 796 सैंपल टेस्ट हो गए हैं।

आरएसएस-भाजपा हिंदू नहीं, ये सिर्फ हिंदू धर्म का इस्तेमाल करते हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग हिंदू नहीं हैं, ये सिर्फ हिंदू धर्म का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कांग्रेस की महिला इकाई अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह में यह दावा भी किया कि आरएसएस और भाजपा के लोग महिला शक्ति को दबा रहे हैं और भय का माहौल पैदा कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने आगे कहा, मैं बाकी विचारधारों के साथ कोई न कोई समझौता कर सकता हूं, मगर मैं आरएसएस और बीजेपी की विचारधारा के साथ कभी समझौता नहीं कर सकता। वो (भाजपा) अपने आप को हिंदू पार्टी कहते हैं और पूरे देश में लक्ष्मी और दुर्गा पर आक्रमण करते हैं। जहां ये जाते हैं, कहीं लक्ष्मी को मारते हैं, कहीं दुर्गा को मारते हैं। ये हिंदू धर्म का प्रयोग करते हैं, ये धर्म की दलाली करते हैं। मगर ये हिंदू नहीं हैं। कांग्रेस नेता के मुताबिक, भाजपा और आरएसएस के लोगों ने पूरे देश में डर फैलाया है, किसान डरे हुए हैं, महिलाएं डरी हुई हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस महिला शक्ति को दबाता है, लेकिन कांग्रेस का संगठन महिला शक्ति को समान मंच देता है। राहुल गांधी ने कहा, अगर पिछले 100-200 साल में किसी एक व्यक्ति ने हिंदू धर्म को सबसे अच्छे तरीके से समझा और अपने व्यवहार में लाया, तो वह महात्मा गांधी हैं। इसे हम भी मानते हैं और आरएससस एवं भाजपा के लोग भी मानते हैं... महात्मा गांधी ने अहिंसा को सबसे अच्छे तरीके से जिया। हिंदू धर्म की बुनियाद अहिंसा है। इसके बावजूद आरएसएस की विचारधारा द्वारा महात्मा गांधी को गोली क्यों मारी गई? इस बारे में आपको सोचना होगा। राहुल ने आगे कहा कि वे आरएसएस और भाजपा की विचारधारा के साथ कभी समझौता नहीं कर सकते। उन्होंने जोर देकर कहा, देश में आरएससस और भाजपा की सरकार है। इनकी विचारधारा और हमारी विचारधारा अलग अलग हैं।

बादल पिता-पुत्र पर जमकर बरसे सिद्धू, कहा- कृषि कानूनों की नींव बादलों ने रखी, यही हैं किसानों के असली गुनहगार

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष एक अरसे बाद आज मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने शिरोमणि अकाली दल और बादल पिता-पुत्र पूर्व मुख्यमंतत्री प्रकाश सिंह बादल और सुखबीर सिंह बादल पर हमला किया । सिद्धू ने कहा, डंके की चोट पर कहता हूं कि तीन कृषि सुधार काले कानून की नींव बादलों ने रखी। वही इसके नीति निमार्ता हैं। ये किसानों के गुनाहगार है। सिद्धू ने कहा कि पर्दे के पीछे सारा गेम बादलों ने ही चली। इन्हीं का आईडिया था। पहले पंजाब में लागू किया फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लागू करवाया। उन्होंने कहा कि बादल 2013 में कट्रिक्ट एक्ट लेकर आए। तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने पंजाब कांट्रिक्ट बिल 2013 पेश किया। यही कानून तीन कृषि कानून में से एक है। इसमें कोई टरढ की बात नहीं की गई। 108 फसलों का शेड्यूल लगाया गया, जिसे एक्ट से जोड़ लिया। दो एमएसपी वाली फसलें भी शामिल की गईं, ताकि एमएसपी से कम पर फसल खरीदी जा सकें। सिद्धू ने कहा कि असल में यही नाखून और मांस का रिश्ता भाजपा और शिरोमणि अकाली दल में है। किसानों से अदालत जाने का हक इस एक्ट में छीन लिया गया। संविधान फाड़ने वालों ने संविधान का उल्लंघन भी किया। किसान की ओर कोई पैसा खड़ा है तो उसकी फर्द में दर्ज होगा। किसान का कोई विवाद है तो वह इसमें शामिल नहीं किया। किसान डिफॉल्ट करता है तो उसे एक महीने

की सजा का प्रवधान है। केंद्र ने इन्हीं की कॉपी मारी है। किसानों को मारने की शुरूआत इन बादलों ने की है। उन्होंने कहा कि बादलों द्वारा लाए गए कानून में कोई एमएसपी की गारंटी नहीं थी। किसान का डिस्प्यूट है तो किसान अपनी जमीन नहीं बेच सकता। किसान रजिस्टर्ड होगा। यही केंद्र के कानून में है। अकालियों ने किसानों को गुलाम बनाने की कोशिश की है। इस कानून के अनुसार सेल सीधी किसानों के खेत से खरीदी जाएगी। इसीलिए अकाली तीन खेती कानूनों के सोहले गाते थे। अफसरों को सेक्शन 32 में छत्र छाय दे दी। पेनल्टी में बादल आगे निकल गए। उनके द्वारा बनाए कानून में 5 हजार से 5 लाख रुपये तक के जुमार्ने का प्रविधान है। प्राइस एश्योरेंस केवल कारपोरेट घरानों के लिए है। किसानों को मिनिमम स्पोर्ट प्राइस भी नहीं देते और अडानी को सौ फीसदी स्पोर्ट प्राइस देते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई तो सुखबीर बादल ने केंद्रीय कृषि कानूनों का समर्थन किया और उसे किसानों के पक्ष में बताया। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर के भी इन कानूनों की प्रशंसा की। प्रकाश सिंह बादल ने पिछले साल 3 सितंबर को वीडियो अपलोड किया। पिछले साल 7 सितंबर को हरसिमरत कौर ने कहा कि मैं नहीं किसान खिलाफ हैं। मंत्री पद से इस्तीफा दिया तो हरसिमरत कहा कि यह एनडीए से इस्तीफा नहीं है । फिर ये अकाली पिछले 26 सितंबर को एनडीए से बाहर आ गए। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि 2007 में बादल सरकार कर्ज सेटलमेंट एक्ट लाए।

सत्ता की जंगः तालिबान और हक्कानी नेटवर्क के बीच शुरू हुआ संघर्ष, बरादर ने छोड़ा काबुल

काबुल। अफगानिस्तान में अंतरिम सरकार का गठन हो गया है, लेकिन स्थाई सरकार को लेकर अभी भी गहमागहमी बनी हुई है। अब खबर आ रही है कि तालिबान और हक्कानी नेटवर्क के बीच क्रेडिट को लेकर संघर्ष शुरू हो गया है, जिसके बाद मुल्ला अब्दुल गनी बरादर ने काबुल छोड़ दिया है। बता दें, मुल्ला अब्दुल गनी बरादर तालिबान सरकार में डिप्टी प्राइम मिनिस्टर बनाए गए हैं। कुछ दिन पहले हक्कानी नेटवर्क और उनके बीच झड़प भी हुई थी, जिसमें बरादर के गोली लगने की खबरें सामने आई थीं। ताजा मामला सामने आ रहा है कि बरादर और हक्कानी नेटवर्क के नेता खलील उर-रहमान के बीच कहासुनी हुई है। इसके बाद दोनों के समर्थक आपस में भिड़ गए हैं। दरअसल, हक्कानी नेटवर्क का मानना है कि उसके आक्रामक रवैये और लड़ाकों के कारण ही अफगानिस्तान की सत्ता मिली है। वहीं बरादर का मानना है कि उनकी कूटनीति के कारण ही तालिबान को जीत हासिल हुई है। ऐसे में दोनों गुट जीत का क्रेडिट लेने के लिए भिड़ गए हैं। तालिबान और हक्कानी नेटवर्क के बीच सरकार में हिस्सेदारी का भी विवाद है। दरअसल, हक्कानी नेटवर्क अफगानिस्तान की सरकार में प्रमुख भूमिका चाहता है, लेकिन तालिबान के नेता ऐसा नहीं चाहते।

इसको लेकर भी दोनों के बीच विवाद है। पिछले दिनों सरकार गठन के दौरान ही दोनों गुटों में गोली भी चली थी, जिसमें बरादर के घायल होने की खबरें सामने आई थीं। बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि बरादर काबुल छोड़कर कंधार चले गए हैं। पहले एक प्रवक्ता का बयान आया कि बरादर कंधान सुप्रीम नेता से मिलने गए हैं। बात में बताया गया कि वह वहीं रुक गए हैं।

चिंतन मनन

पाटीदारों पर दांव

अहमदाबाद के घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र से विधायक भूपेंद्र पटेल ने गुजरात के नए मुख्यमंत्री का दायित्व संभाल लिया है। भूपेंद्र पटेल 2017 में पहली बार ही विधायक बने हैं और चार साल में ही आलाकमान ने उन्हें सीएम पद से नवाजा है। पाटीदार समाज गुजरात की राजनीति में बदलाव लाने वाला फैक्टर है। राज्य के 15 प्रतिशत मतदाता यानी की विधानसभा की 71 सीटों पर प्रभुत्व रखने वाले पाटीदार पिछले काफी समय से भाजपा से नाराज हैं। भाजपा ने असंतुष्ट पाटीदारों को खुश करने के लिए यह पाटीदार कार्ड खेलते हुए भूपेंद्र पटेल को गुजरात का नया मुख्यमंत्री नियुक्त किया। यानी 5 साल बाद गुजरात में फिर से पाटीदार सत्ता आ गई है। भूपेंद्र पटेल पाटीदार समाज के नेता हैं, साथ ही कडवा और लेउवा दोनों पटेल समुदायों में उनकी अच्छी छवि है। गुजरात में मतदाताओं के दबदबे के बीच इससे पहले 4 पाटीदार मुख्यमंत्री बने, जिसमें चिमनभाई पटेल और केशुभाई पटेल दो बार मुख्यमंत्री बनने के बावजूद पांच साल तक सत्ता में नहीं रह सके। इतिहास पर नजर डालें तो बाबूभाई पटेल से लेकर केशुभाई पटेल तक कोई भी पाटीदार मुख्यमंत्री किसी भी कारण से अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया। वर्ष 1976 में बाबूभाई आपातकाल के चलते और इसके बाद चिमनभाई नवनिर्माण आंदोलन के चलते पांच साल पूरे नहीं कर सके थे। वहीं, अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान चिमनभाई का अवसान हो गया था। इसके बाद केशुभाई पटेल की कुर्सी भाजपा में बगावत के चलते और दूसरी बार पार्टी द्वारा इस्तीफा लेकर गुजरात की जिम्मेदारी नरेंद्र मोदी को दे दी गई थी। इससे केशुभाई दोनों टर्म के दौरान अपने पांच साल पूरे नहीं कर सके थे। वहीं, इसके बाद आनंदीबेन पटेल भी अपने पांच साल पूरे नहीं कर सकी थीं। हालांकि, उन्होंने उम्र का बहाना बनाकर इस्तीफा दिया था, लेकिन सच बात तो यही थी कि उनकी कुर्सी पाटीदार आरक्षण आंदोलन और स्थानीय निकाय चुनावों के बुरे नतीजों के चलते ही गई थी। नरेंद्र मोदी के गुजरात से जाने के बाद भाजपा से पाटीदारों का गुस्सा बढ़ता चला गया और इसी के चलते 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा को सिर्फ 99 और कांग्रेस को करीब 83 सीटें मिल गईं थीं। वहीं, भाजपा के वोट शेयर में 1 प्रतिशत और कांग्रेस के 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। जबकि, मोदी के रहते 2012 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के पास 115 सीटें थीं। 2017 के चुनाव में कांग्रेस के खाते में 16 सीटें ज्यादा आई थीं, यह फायदा उसे पाटीदार आरक्षण आंदोलन से हुआ था। 2012 में गुजरात के कुल 182 विधायकों में से 50 पाटीदारों को टिकट दिया गया था, जिनमें से 36 ने जीत दर्ज की थी। वहीं, 2017 के चुनाव में बीजेपी के 28 और कांग्रेस के 20 पाटीदार विधायक जीते थे। यानी की 2017 में पाटीदारों की नाराजगी के चलते भाजपा को 8 सीटों का नुकसान हो गया था। इस फेरबदल के पीछे राज्य में आम आदमी पार्टी का बढ़ता प्रभाव भी है।

हुआ आविष्कार!

हैं हमलावर नेता ।
हाथों में कमान ।।
है सत्ता का खेल ।
मिले तो जहान ।।
नई-नई संज्ञा का ।
हुआ आविष्कार ।।
अपने-अपने लहजे में ।
हो रहा प्रहार ।।
अलग-अलग चेहरे ।
गए अचानक जाग ।।
रहे निकाल बेहिचक ।
है अंदर जो आग ।।
उठना है धरातल से ।
जाना आसमान ।।
अपने ये विचार ।
पहले से महान ।।

-कृष्णेन्द्र राय

जीवन दायनी प्रक्रिया का आधार है ओजोन परत

संयुक्त राष्ट्र द्वारा १६ सितंबर को एक घोषणा के रूप में नामित किया गया था। कहने का तात्पर्य यह है कि १९ दिसंबर २००० को ओजोन परत की कमी के कारण मॉन्ट्रियल कन्वेंशन पर हस्ताक्षर करने के लिए यह दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित किया गया था। मॉन्ट्रियल कन्वेंशन दुनिया भर के हानिकारक पदार्थों और गैसों को समाप्त करके ओजोन परत की रक्षा करने हेतु एक अंतरराष्ट्रीय संधि है। ओजोन परत की रक्षा के लिए १९९५,जो पहला वर्ष था जब इस दिन को दुनिया भर में मनाया गया था। इसके बाद से इस अंतर्राष्ट्रीय दिवस में भागीदारी को लेकर भारी वृद्धि देखी गई। इस दिन को एक अंतरराष्ट्रीय अवसर के रूप में देखने का मुख्य उद्देश्य ओजोन परत के बारे में जागरूकता की भावना पैदा करना है कि यह कैसे बनती है और इसमें पैदा हुई कमी को रोकने के क्या तरीके हैं। इस दिन विद्यालयों,कॉलेजों,संगठनों और मीडिया के लोगों के माध्यम से एक दूसरे से जुड़कर उनके विचारों को साझा किया जाता है। इस दिन यह जागरूकता फैलाई जाती है कि हमारी धरती को नष्ट करने वाले खतरे को नियंत्रित भी किया जा सकता है। विश्व ओजोन दिवस,पर्यावरण के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के महत्वपूर्ण साधनों के बारे में लोगों को शिक्षित करता है। मानव प्रकृति का हिस्सा है। प्रकृति व मानव एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के बिना मानव की परिकल्पना नहीं की जा सकती। प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है - प्र और कृति। प्र अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ/उत्तम) और कृति का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सृष्टि। प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। कहने का तात्पर्य प्रकृति के द्वारा ही समूचे ब्रह्माण्ड की रचना की गई है। पर्यावरण से हम हैं और हमसे पर्यावरण। पारिस्थितिकी तंत्र का पृथ्वी से घनिष्ठ सम्बन्ध है। पर्यावरण पर हमारे चारों ओर के वातावरण का प्रभाव पड़ता है। ये वातावरण,वायुमंडलीय प्रभाव से निर्मित होता है। हमारा वायु मंडल मजबूत होगा तो वातावरण भी शुद्ध होगा। वातावरण शुद्ध होगा तो हमारा पर्यावरण भी शुद्ध

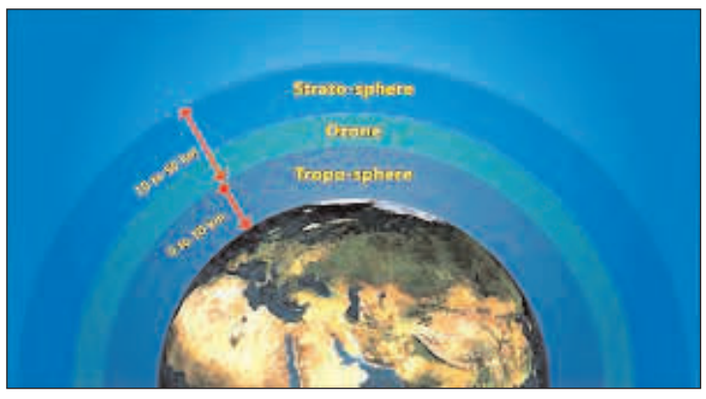

होगा।पृथ्वी की रक्षा के लिए वायुमंडलीय सतह पर एक परत होती है। यह परत पराबैंगनी किरणों से हमारी व हमारे पर्यावरण की रक्षा करती है,जिसे ओजोन परत कहते हैं। वायुमंडल के ऊपरी सतह पर पराबैंगनी किरणों के प्रभाव में ऑक्सीजन विभाजन एटमो में होने लगा। तत्पश्चात एटमो ने मिलकर ओजोन का रूप धारण कर समताप मंडल में सांद्रित होकर ओजोन परत का निर्माण किया। पृथ्वी की बाहरी सतह मुख्यतः चार वर्गो में विभक्त है - १. लिथोस्फीयर (पृथ्वी का आवरण), २. हाइड्रो स्फीयर (समुद्र, नदियाँ और झीलें), ३. एटमास्फीयर (पृथ्वी का आवरण), ४. बायोस्फियर (यह तीनों का समावेश है)। आरम्भ में जब पृथ्वी का उदभव हुआ तो ऑक्सीजन गैस नहीं थी। ज्वालामुखियों के निरंतर टूटते-फूटते रहने से सम्पूर्ण वायुमंडल कार्बन डाई ऑक्साइड व मीथेन से भरपूर था। कुछ समय बाद समुद्रों के भीतर जीवन का उदभव हुआ,जो कार्बन डाई ऑक्साइड अवशोषित कर ऑक्सीजन का प्रजनन करने लगे। इस ऑक्सीजन ने पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल की ओर एकत्र होना शुरू कर दिया,जहां पराबैंगनी किरणों के प्रभाव में ऑक्सीजन का विभाजन एटमो में होने लगो तत्पश्चात एटमो ने मिलकर ओजोन का रूप धारण कर समताप मंडल में सांद्रित होकर ओजोन परत का निर्माण कियो ओजोन परत,पृथ्वी को पराबैंगनी (अल्ट्रावायलेट) किरणों से बचाने में एक छलनी समान,सुरक्षा कवच का काम करती है। ओजोन में ऑक्सीजन के तीन एटम बाउंड होते हैं। ओजोन एक रंग विहीन तथा तीखी गंध वाली गैस होती है। ओजोन परत पृथ्वी के ऊपर सोलह से पचास किलोमीटर (अर्थात ३४ किलोमीटर मोती परत) ऊंचाई पर स्थित है। ओजोन का निर्माण सौर विकिरण द्वारा लगातार होता रहता है। जिसका स्तर ३०० मिलियन टन प्रतिदिन है और इतनी ही मात्रा में यह प्राकृतिक रूप से नष्ट भी होती रहती है। ओजोन परत के कारण समताप मंडल (स्ट्रैटोस्फियर) का तापमान ट्रोपोस्फियर (क्षोभ मंडल) की अपेक्षाकृत अत्यधिक होता है। ओजोन परत पराबैंगनी किरणों को शोषित करता है और विकिरण के हानिकारक प्रभाव से पृथ्वी के सम्पूर्ण जीवन की रक्षा करता है। पराबैंगनी किरणों के अवशोषण के कारण ओजोन परत समताप मंडल को गर्म करता है। ओजोन की मोटी परत (३४ किलोमीटर) से पराबैंगनी किरणें छन कर ट्रोपोस्फियर (क्षोभ मंडल) में प्रवेश करती हैं। ओजोन परत सबस्क्रीन की भांति काम करती है और खतरनाक पराबैंगनी बी सौर तरंगों के बड़े भाग को क्षोभ मंडल में प्रवेश करने से रोकती है। पराबैंगनी बी का वह क्षीण प्रवाह जो भू सतह के वायुमंडल तक पंहुचता है - त्वचा कैंसर,मोतियाबिंद आदि बीमारियां फैलाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं यदि समताप मंडल में ओजोन का निर्माण न हुआ होता तो आधुनिक समय में जीवन स्वरूपों का उदभव शायद ही संभव होता। ओजोन की कमी से पराबैंगनी बी का क्षोभ मंडल में अत्यधिक मात्रा में होना मानव पर ही नहीं अपितु पेड़ -पौधों पर भी प्रभाव डालते हैं। पौधों में स्टोमेटा के द्वारा ओजोन प्रवेश कर जाती है। यह पत्तियों को हानि पंहुचाती है जिससे पौधों की उत्पादन क्षमता में कमी और उनकी गुणवत्ता घटती है। ओजोन में कमी का मुख्य कारक है "क्लोरीन गैस"। क्लोरीन भारी होने के कारण स्ट्रैटोस्फियर की ऊंचाई तक नहीं पंहुच पाती जहां ओजोन परत विद्यमान है। घरेलु एवं सामूहिक रसायनों से उत्पन्न क्लोरीन गैस निचले वायुमंडल में विघटित हो वर्षा में बह जाती है। कई ऐसे स्थाई और हलके रसायन भी हैं जो वाष्पशील स्वभाव के होते हैं एवं विघटित होकर क्लोरीन का निर्माण करते हैं। इन्हे ओजोन डिप्लीटिंग सब्स्टेंस (ओ.डी.एस) कहते हैं। क्लोरो फ्लोरो कार्बन,कार्बन टेट्रा क्लोराइड आदि कुछ ऐसे ओजोन डिप्लीटिंग सब्स्टेंस हैं जिनमे क्लोरीन होती है। क्लोरो फ्लोरो कार्बन सर्वाधिक विनाशकारी सिद्ध हुई। एक क्लोरीन एटम लगभग १,००,००० ओजोन मॉलिक्यूल्स को तोड़ कर वहां से हटा देता है। ग्रीन हाउस गैस के लगातार वृद्धि से भी ओजोन मात्रा घटती है। ग्रीन हाउस गैस प्रजनन के लिए उत्तरदायी स्रोत - लकड़ी के दहन से कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन,पशु,मानव-विष्टा एवं जैव सड़ाव से मीथेन उत्सर्जन और हाइड्रोकार्बन एवं नाइट्रोजन के ऑक्साइड के प्रभाव में ट्रोपोस्फियर के भीतर मीथेन गैस का निर्माण। लम्बी तरंग धैर्य विकिरण का कुछ भाग वायुमंडल के ऊपरी ठन्डे भाग में उपस्थित ट्रेस गैसों द्धारा अवशोषित हो जाता है। इन्ही ट्रेस गैसों को ग्रीन हाउस गैस कहते हैं। पृथ्वी की प्राकृतिक जलवायु निरन्तर बदलती रही है। ग्रीन हाउस प्रभाव के द्वारा पृथ्वी की सतह गर्म हो रही है। ग्रीन हाउस प्रभाव - सूर्य की किरणें, कुछ गैसों और वायुमण्डल में उपस्थित कुछ कणों से मिलकर होने की जटिल प्रक्रिया है। कुछ सूर्य की ऊष्मा वायुमण्डल से परावर्तित होकर बाहर चली जाती हैं। लेकिन कुछ ग्रीन हाउस गैसों के द्वारा बनाई हुई परत के कारण बाहर नहीं जाती है। अतः पृथ्वी का निम्न वायुमंडल गर्म हो जाता है। ग्रीन हाउस प्रभाव एक प्राकृतिक प्रक्रिया है तथा यह जीवन को प्रभावित करती है।

चर्च के आरोपों की गहनता से जांच जरुरी

केरल में इसलामी कट्टरता निरंतर बढ रही है, यह बात किसी से छुपी हुई नहीं है । किसी सामान्य बात को लेकर कट्टरपंथी इसलामी संगठन के कार्यकर्ता द्वारा किसी प्रोफेसर के हाथ काट लेने का मामला हो या फिर केरल के युवाओं के आईएसआईएस में शामिल होना हो इस तरह के खबरें लगातार आती रही है । कुछ स्थानों पर कट्टर इसलामी संगठनों द्वारा युवाओं का इंडाक्ट्रिनेशन किये जाने वाली खबरें भी नियमित समाचार पत्रों में शीर्षक बन रहे हैं । इन बातों से केरल की स्थिति के बारे में कोई भी सामान्य व्यक्ति अंदाजा लगा सकता है । इससे और एक बात भी स्पष्ट हो रही है कि केरल में सत्तारुढ वामपंथी सरकार इस तरह के मजहबी उन्मादो को कम करने या फिर उन्हें नियंत्रित करने मे रुचि कम दिखा रही है ।

केरल की इस तरह की स्थिति के बीच राज्य के एक प्रमुख ईसाई पादरी ने अभी हाल ही में एक बयान जारी किया है । इस बयान में उन्होंने जो बातें कही है उस पर ध्यान दिया जाना जरुरी है। केरल के कोट्टयम में सायरो मालाबार चर्च पाला धर्मप्रांत के ह्यमार जोसेफ कल्लारंगटह्ल नामक इस बिशप ने कहा कि केरल में कैथोलिक लड़कियाँ पहले लव जिहाद का शीकार हो रही थी । अब क्याथोलिक लडकियां ह्यलव के साथ साथ नार्कोटिक जिहादह्ल की शिकार हो रही हैं। त कोट्टायम जिले के कुरुविलंगाडु में एक चर्च समारोह में उन्होंने यह बात कही । कुरुविलंगाडु चर्च के यूट्यूब चैनल पर वीडियो को अपलोड किया गया । इस वीडियो में बिशप ने चेतावनी दी कि कट्टरपंथी ऐसे तरीकों का इस्तेमाल उन जगहों पर कर रहे हैं जहाँ हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है और कैथोलिक परिवारों को इस संबंध में सावधान रहना चाहिए। उन्होंने यह कहा कि केरल में एक खास ग्रुप है जो विभिन्न इलाकों में कैथोलिक और हिंदू युवाओं को ड्रग व अन्य नशों का आदी बना रहे हैं। ऐसे लोगों का मकसद दूसरे रिलिजियन को भ्रष्ट करने का है। लव जिहाद और नार्कोटिक्स और उन्हें सतर्क रहना चाहिए।

उनकी यह वीडियो अब चर्चा का विषय बना हुआ है । कुछ लोग इस बयान के समर्थन में दिख रहे हैं तो कुछ लोगों ने इस बयना को लेकर उन्हें आडे हाथों लिया है । केरल का कैथोलिक समाज

जिहाद दो चीजें हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए। अपने बयान में उन्होंने कहा कि केरल में ह्यलव जिहादह्ल होने से इनकार करने का कोई भी प्रयास सच्चाई से मुँह मोड़ लेने जैसा है। बिशप ने सभी कैथोलिक लोगों को सचेत किया कि मुस्लिम विचारों को जबरदस्ती लाने की योजना चल रही है। सभी कैथोलिकों को इसके बारे में पता होना चाहिए उनके इस बयान के पीछे खडा दिख रहा है लेकिन कुछ लोग उनकी आलोचना भी करते दिख रहे हैं । खास कर केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन को ही देख लें । उन्होंने इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है । उन्होंने कहा कि - पाला बिशप एक काफी प्रभावशाली व धार्मिक विद्वान हैं। हमलोग पहली बार ह्यनारकोटिक्स जिहादह्ल नाम का कोई शब्द सुन रहे हैं। नारकोटिक्स की समस्या किसी एक खास धर्म को ही निशाना नहीं बनाती। ये पूरे समाज पर अपना दुष्प्रभाव डालती है। इसे लेकर हम काफी चिंतित हैं। वैसे देखा जाए तो बिशप ने पहली बार ऐसी बात कही है ऐसा नहीं है । ईसाई समेत गैर इसलामी लडकियों को सुनियोजित तरीके से प्रेम जाल में फांस कर लव जिहाद किये जाने की बात उन्होंने काफी पहले कही थी। उन्हें इसे लेकर समाज को आगाह किया था । उस समय भी उनके बयान को लेकर विवाद हुआ था तथा लोगों ने उनकी आलोचना की थी। यदि आज की स्थिति में हम देखे तो एक ऐसा रुझान देख रहे हैं जिसमें गैर इसलामी लडकियों को प्रेम के माध्यम से टार्गेट किया जा रहा है । यह एक बडी और गहरी साजिश व रणनीति का हिस्सा है, ऐसा प्रतीत होता है । भले ही राजनीतिक कारणों से कोई इस विषय पर खुल कर न बोले लेकिन इसमें सच्चाई होने की बात से इंकार नहीं किया जा सकता । वर्तमान में केरल मे युवाओं का इनडाक्ट्रिनेशन होने की बात सामने आ रही है । यही कारण है आफगानिस्तान से लेकर सीरिया तक में केरल के युवा जिहाद करते दिख रहे है ।कुछ तो आफगानिस्तान के जेलों में भी बंद हैं । ऐसे में मार जोसेफ कल्लारंगट द्वारा कही गई बात को इस तरह से सिरे से खारिज नहीं किया जाना चाहिए । उनके द्वारा उठाये गये मुद्दे को गंभीरता से जांच किये जाने की आवश्यकता है । राजनीतिक कारणों से इसका विरोध नहीं किया जाना चाहिए । चुंकि यह देश के युवाओं के भविष्य तथा देश के सुरक्षा से जुडा विषय है. इस लिए इस पर गहराई से जांच जरुरी है और अगर इस तरह की कोई वास्तव में बात है तो उसकी रोकथाम व इसे नियंत्रित करने के लिए आवश्यक व प्रभावी कदम उठाये जाना चाहिए ।

एक ओर पॉलिटिकल डॉक्यूमेंट्री एक मुख्यमंत्री क्या हटाया...?

जिस तरह आज से साढ़े सात साल पहले गुजरात के नरेन्द्र दामोदरदास मोदी ने पहली बार सांसद बनकर सीधे प्रधानमंत्री की कुर्सी पर कब्जा किया था, उसी तर्ज पर आज उन्होंने अपने गृह प्रदेश गुजरात में विधानसभा में 2017 में पहली बार चुनकर आए श्री भूपेन्द्र पटेल को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी, वैसे गुजरात के लिए यह प्रयोग नया नहीं है, स्वयं मोदी जी भी 2002 में वरिष्ठतम नेता केशुभाई पटेल की जगह मुख्यमंत्री बनाए गए थे और आनंदीबेन पटेल व विजय रूपाणी भी उसी प्रयोग के शिकार हुए। किंतु यदि इस बदलाव पर गहराई से विचार किया जाये तो इसके देश की मौजूदा राजनीति व उसके कर्णधारों पर काफी गंभीर असर अभी से परिलक्षित हो रहा है, मोदी जी ने अपने ही गृह प्रदेश से अब यह संकेत दे दिया है कि अब देश के लिए अनुभवी नहीं, परिश्रमी नेता चाहिये। इसका सीधा-सीधा मतलब तो यही निकाला जा रहा है कि गुजरात में भी अनुभवी और तथा कथित वरिष्ठ भाजपा नेताओं की भी हालात अडवानी व डॉ. मुरली मनोहर जोशी जैसी ही होने वाली है, इसकी तस्वीर आगामी एक-दो दिन में जब भूपेन्द्र पटेल जी के मंत्री मंडल की शपथ होगी तब स्पष्ट नजर आ जाएगी।

यद्यपि यह भी सही है भारतीय जनता पार्टी ने पिछले छः माह की ही अवधि में तीन राज्यों में चार मुख्यमंत्री बदले है, इसलिए एक-दो दिग्गजों को छोड़ किसी भी भाजपा मुख्यमंत्री को कुर्सी जाने का डर नहीं है, भयभीत सिर्फ वे ही है जो

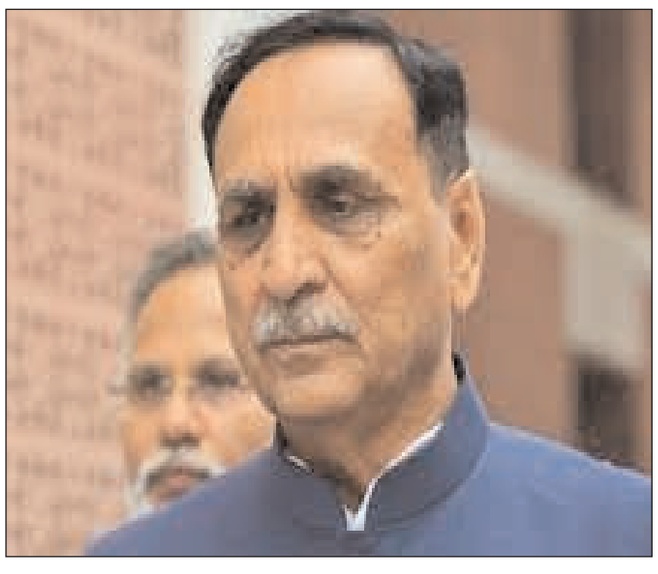

या तो एक दशक से भी ज्यादा समय से मुख्यमंत्री पद पर विराजित है या वे जिन्हें अपने आप पर सर्वाधिक भरोसा है और ऐसा सोचते है कि उनके प्रदेश में पार्टी उन्ही के दम पर चल रही है? ऐसे ही एक मुख्यमंत्री को लेकर कुछ ही महीनों पहले काफी जद्दों-जहद हो चुकी है। अब गुजरात में मोदी जी के दौरे के तत्काल बाद हुए इस अचानक परिवर्तन के बाद यह माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री बदलने में अब अगले क्रम पर उत्तरप्रदेश ही है, जहां विधानसभा चुनाव में कुछ ही महीनें शेष बचे है, उसके बाद कुछ अन्य प्रदेशों का भी नम्बर लग सकता है?

वैसे गुजरात में किए गए इस आकस्मिक परिवर्तन को अगली राजनीतिक फिल्म की ह्वडॉक्यूमंट्रीह्ल माना जा रहा है और जिस तरह अंग्रेजी में ह्वचैरिटी बिगिन्स फ्रॉम होमह्ल भी कहावत काफी प्रसिद्ध है, उसी तरह मोदी जी ने इस कहावत को राजनीति में चरितार्थ करने का प्रयोग किया है, अब इस ह्वडॉक्यूमेंट्रीह्य के बाद पूरी फिल्म देखने को देश की जनता काफी उत्सुक है।

यद्यपि यह भी सही है कि विजय रूपाणी के मुख्यमंत्री बने रहने से गुजरात का मूल गुजराती पटेल वर्ग काफी नाराज था और वह सबसे अनुभवी पटेल नेता तत्कालीन उप-मुख्यमंत्री नितिन भाई पटेल को मुख्यंत्री की कुर्सी पर देखना चाहता था, किंतु मोदी जी ने जहां अपनपे प्रदेश के मूल गुजरातियों की भावना का आदर कर एक पटेल को मुख्यमंत्री बनवा दिया, वहीं प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के मुगालते भी दूर कर दिये और एक बार फिर बता दिया कि राजनीति में अनुभव से बड़ा परिश्रम, ईमानदारी और लोकप्रियता है, इसीलिए अब पहली बार विधायक बनकर आए भूपेन्द्र पटेल की कैबिनेट में कैसे चेहरे शामिल होते है? उसी पर सबकी निगाह रहेगी? अब यह तो भारतीय राजनीति की परम्परा रही है कि यहां विदाई लेने वाले राजनेता के कार्यकाल की अच्छाईयां कम, उसकी बुराईयां ज्यादा याद रखी जाती है, यही विजय भाई रूपाणी के साथ भी होना है, जिन पर कई तरह के आरोप लगाए जा सकते है, जैसे अपेक्षानुसार प्रदेश का विकास नहीं, सबको साथ लेकर नहीं चले, पार्टी से अपने आपको बड़ा समझने लगे.... आदि.... आदि.... यह तो होगा ही.... किंतु अन्य इतिहासों की तरह राजनीति में भी इतिहास को भूलने की प्रक्रिया तेजी से होती है, इसलिए लोग विजय भाई को भी भुला देगें, किंतु चूंकि देश पर मौजूदा काल में गुजराती ही राज कर रहा है इसलिए उस पर इतनी चर्चा जरूरी थी.... किंतु अब अन्य भाजपाई मुख्यमंत्रियों को सावधान अवश्य हो जाना चाहिए।

डॉ. रत्नप्पा कुम्भार और डॉ. पेरियार राधास्वामी नायकर की मनायी गयी जयंती

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भागीदारी संकल्प मोर्चा के 2 महत्वपूर्ण घटक दल राष्ट्र उदय पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूराम पाल व भागीदारी पार्टी के राष्ट्रिय अध्यक्ष प्रेमचंद्र प्रजापति ने संयुक्त जयंती समारोह मनाई । मुख्य अतिथि मोर्चे के संयोजक तथा सुभासपा राष्ट्रिय अध्यक्ष पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर विशिष्ट अतिथि अजगरा विधायक कैलाश नाथ सोनकर रहे। मुख्य अतिथि ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि डॉ रत्नाप्पा भरमप्पा कुंभार (1909 - 1998) एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे, जो भारत की संविधान सभा के सदस्य तथा उसके सचिव चुने गए थे। उन्हें देशभक्त रत्नप्पा कुंभार भी कहा जाता है। वह भीमराव आम्बेडकर के साथ भारत के संविधान के अंतिम मसौदे पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्तियों में से एक थे। हजारो की संख्या में जुटे पाल समाज तथा प्रजापति समाज ने हाथ उठाकर ओमप्रकाश राजभर के नेतृत्व को समर्थन दिया। ओमप्रकाश राजभर कहते है कि भारत जलाओ पार्टी है भाजपा ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि 75 साल की आजादी में इस पिछड़े समाज को कोई नही पूछा सभी दलों ने वोट की मशीन समझा, अब पिछड़े समाज के लोग सबको अपनी ताकत का एहसास करा रहे है अब यह समाज किसी के प्रोलोभन में नही आने वाला है भागीदारी मोर्चे की असली ताकत यही जनता है। समाजिक न्याय समिति लागू नही होने से बीजेपी इनका हक खा रही है। 22 के चुनाव में पिछड़ा अति पिछड़ा और हर जाति के पिछड़े पिछाड़े गए परिवार को 22 में सरकार बनाकर सबसे पहले इनका घरेलू विजली बिल 5 साल तक माफ करेंगे। शिक्षा में एक नीति लागू किया जाएगा जिससे अमीर गरीब की पढ़ाई सम्मान हो। सभी सरकारी स्कूलों को प्राइवेट से भी अच्छा किया जायेगा, 1 से लेकर 16 तक कि अनिवार्य और निशुल्क शिक्षा दी जाएगी।महीने में मिलने वाले रासन 20 किलो से बढ़ा कर 50 किलो किया जाएगा।पुर्वांचल अलग राज्य बनाने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। गरीबो को मुफ्त चिकित्सा की व्यवस्था की जाएगी। गांव गांव मुहल्ला किलिनीक खोला जाएगा, शराब बंदी हमारी पहली प्राथमिता है। भाजपा 25 किलो के झोले में 5 किलो अनाज गरीब परिवार को देकर भिख मंगा बनाने पर मजबूर कर रही है। हम अनाज के साथ झोला नही वस्त्र देगे जिसपर किसी की फोटो नही होगी। भाजपा में पिछड़े समाज के सभी लोडरो के सम्पति की जांच कराया जाएगा, जिन्हों ने समाज के नाम पर भाजपा में लोडर बनकर लुटा है उनकी पूरी सम्पति जब्त की जाएगी। भाजपा आत्म निर्भर बनाने की बात करती है मैं आत्म चिंतन की बात कहता हूं आत्म चिंतन ही बच्चों को शिक्षा की तरफ ले जाएगा। सभी विद्यालयों में तकनीकी शिक्षा लागू किया जाएगा। भाजपा जितना सरकारी विज्ञापन में खर्चा करती है उसको बन्द कर सरकारी स्कूल और हॉस्पिटल खोला जाएगा। महिलाओ को 50 प्रतिशत आरक्षण की मांग रखी जायेगी। भाजपा सरकार में सपा को थपर मारने वाले को जिलाध्यक्ष बनाती है। रीता बहुगुणा जोशी का घर जलाने वाले को भाजपा में शामिल करते है भारत जलाओ पार्टी है भाजपा । प्रेमचंद्र प्रजापति राष्ट्रीय अध्यक्ष भागीदारी पार्टी ने कहा कि वह भारतीय संविधान को तैयार करने वाली समिति के सदस्य बने। वह 1952 मे 1962, 1967, 1972, 1978 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के टिकट पर शिरोल विधानसभा सीट से विधायक के रूप प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 1974 से 1978 तक महाराष्ट्र सरकार में "खाद्य और नागरिक आपूर्ति" राज्य मंत्री के रूप में नेतृत्व किया। बाबूराम पाल राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्र उदय पार्टी ने कहा कि हमारे महापुरषो के इतिहास को 75 साल से दबा कर रखा गया पाल समाज के किसी नेता ने डॉ0 आंबेडकर जी के साथ समाजिक व्यवस्था को एक करने में तथा संविधान सदस्य के रूप में काम करने वाले का नाम मिटाने का काम किया गया लेकिन ओमप्रकाश राजभर ने पाल समाज मे चेतना पैदा कर मेरे पूर्वज का इतिहास जग जाहिर करने का काम आज कर रहे है। जिस तरह ओमप्रकाश राजभर ने महाराजा सुहेलदेव जी की का नाम पूरे विश्व मे बताने का कार्य किया आज देश के प्रधानमंत्री कही भी अपनी बात सुरु करते है तो महाराजा सुहेलदेव जी को याद करते है। बाबूलाल पाल ने कहा कि परियार साहब ने जातिप्रथा को कभी माना नही, उन्होंने देश की तररकी के लिये विज्ञान को प्राथमिकता दिया हमेशा मूर्ति पूजा का विरोध कर मानव पूजा को आगे बढ़ाने का काम किया। धन्यवाद अजगरा विधायक कैलाश नाथ सोनकर ने किया। मुख्य रूप से उपस्थित डॉ0 महेश चंद्र प्रजापति, भैयालाल पाल, बीरेंद्र पाल, रामगोविंद प्रजापति, संतोष प्रजापति, शशिप्रताप सिंह, आदि लोग रहे।

पैतालिस लाख की वसूली के लिए सलमान के विरूद्ध आरसी जारी

बाराबंकी जैदपुर। सरकारी धन को हड़प करने के लिए तरह तरह के हथकण्डे अपनाने वाले बकायादार आखिर राजस्व कर्मियों के शिकंजे में फंसता नजर आ रहा है। तहसीलदार द्वारा आर0सी0 से बकायादार के हाथपांव फूल गये और बचाव के लिए कई छुटभइया नेताओं के परिक्रमा चालू कर दी है। वहीं इस कार्यवाही से क्षेत्रीय जनता के साथ कई लोगों में खुशी नजर आ रही है। लोगों का कहना है कि सरकारी धन का हड़प करने वालों के विरूद्ध सरकार को सख्ती दिखानी चाहिए ताकि ऐसे लोगों को सबक मिले और दोबारा सरकारी धन को हड़प करने के बारे में सोच भी न सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाराबंकी के कस्बा जैदपुर के मोहल्ला मोहल्ला तीरगरान निवासी मो0 सलमान पुत्र मो0 आविस को ठेका तालाब की राजस्व धनराशि पैतालिस लाख वसूली के लिए आर0सी0 दिनांकित 08.09.2021 की कार्यवाही अमल में लाई गई जिससे क्षेत्र के अन्य बकायादारों में खलबली मच गई है। मालूम हो कि 15 दिवस में राजस्व निर्धारण न जमा करने पर कुर्की की कार्यवाही की जायेगी। वहीं बकायादार कई छुटभइया नेताओं की परिक्रमा चालू कर दिया है वहीं कहीं कहीं तो मत्था भी टेक रहा है। बकायेदार वा उसके सहयोगी क्षेत्र में खुलेआम कह रहा है कि भाजपा सरकार हमको बदनाम करने के लिए नोटिस जारी किया है किन्तु हम ऐसी नोटिस से डरने वाले नहीं है और जल्द ही तहसील प्रशासन को जेल भेजने के लिए कानूनी कार्यवाही करेंगे।

अयोध्या में बॉलीवुड कलाकारों की रामलीला पर लगाएं रोक

अयोध्या। अयोध्या के संतों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की कि अगले महीने यहां बॉलीवुड कलाकारों द्वारा की जाने वाली रामलीला के आयोजन पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए। संतों ने आरोप लगाया कि बॉलीवुड कलाकार शराब और मांस का सेवन करते हैं और अनैतिक गतिविधियों में शामिल होते हैं, जिसके कारण वे कभी भी रामायण के पवित्र पात्रों की प्रस्तुति नहीं दे सकते। संतों ने कहा कि पारंपरिक रामलीला करने वाले कलाकार अपने जीवन में नैतिक और धार्मिक अनुशासन का पालन करते हैं। अयोध्या के मंदिर बड़ा भक्त माल पर यहां के करीब 100 संतों की बैठक में यह मांग की गई।

ब्लास्टिंग के खिलाफ धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों को एसडीएम के इशारे पर पुलिस ने जबरन उठाया

प्रखर अहरौरा (मीरजापुर)। ब्लास्टिंग वह प्रदूषण के विरुद्ध सोनपुर घाटी हनुमान मंदिर के पास छठे दिन आज रात 12:00 बजे मेडिकल चेकअप कराने के नाम पर मौके पर पहुंची एसडीएम रोशनी यादव सीओ चुनार थानाध्यक्ष अहरौरा ने तीन लोगों को पुलिस जबरजस्ती उठा ले गई ले जाने की वजह से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया सोनपुर घाटी में पीएसी तैनात कर दी गई सुबह से ग्रामीण प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन कर रहे थे। उप जिलाधिकारी रोशनी यादव सीओ चुनार थाना अध्यक्ष और ऑरा द्वारा तीन लोगों को उठा ले जाने की वजह से ग्रामीणों में भारी आक्रोश ग्रामीण सोनपुर पहाड़ पर इकट्ठा हुए क्षेत्राधिकारी चुनार क्षेत्राधिकारी आप्रेशन एसडीएम चुनार और पीएसी तैनात ग्रामीण बहुत है आक्रोशित की पांच आमरण अनशन कारियों को पहले सर्वजीत सिंह आशु दूसरा नितेश पटेल बन्नी तीसरा नितेश चौथा बिहारी बाबा पांचवा राजकुमार पप्पू को जबरदस्ती पुलिस 12:00 बजे रात्रि को धरना स्थल से उठा ले गई।

भारतीय जनता पार्टी जौनपुर के युवा मोर्चा और पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने अपनी-अपनी टीम की घोषणा की

प्रखर जौनपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा जौनपुर के जिलाध्यक्ष दिव्यांशु सिंह ने जिला अध्यक्ष भाजपा पुष्पराज सिंह की अनुमति लेकर अपनी टीम की घोषणा की, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने बधाई देते हुये कहा कि युवा मोर्चा की टीम दिव्यांशु सिंह के नेतृत्व में अच्छा कार्य करेंगी चुनाव में सबसे ज्यादा अहम भूमिका युवाओं की होती है और आशा करता हूँ कि जौनपुर के युवा मोर्चा के टीम चुनाव में अपना शत प्रतिशत योगदान देगी, युवा मोर्चा के टीम में छह जिला उपाध्यक्ष क्रमशः अजय यादव, अभिनव सिंह, सचिन तिवारी, शशांक सानू, हरिओम गुप्ता, सिद्धार्थ सिंह टोनी, दो महामंत्री क्रमशः विकास ओझा, ऋषिकेश श्रीवास्तव, छह जिला मंत्री क्रमशः उपेंद्र सोनकर, अभिषेक सिंह मोनू, ज्ञानचंद्र यादव, विजय कश्यप, अशोक निगम, दैविक कौशिक, कोषाध्यक्ष श्रवण सिंह, जिला कार्यालय प्रभारी सुलभ श्रीवास्तव, जिला सह कार्यालय प्रभारी नीरज मौर्य, जिला मीडिया प्रभारी कपिल सिंह, जिला सह-मीडिया प्रभारी दीपांशु उपाध्याय, जिला सोशल मीडिया हर्षवर्धन सिंह, जिला सह सोशल मीडिया अंबुज तिवारी, शोध प्रमुख सौरभ नंदन, आठ जिला कार्यसमिति सदस्य क्रमशः प्रशांत सिंह, वीरेंद्र जायसवाल, प्रखर सिंह, निखिल सिंह, अभिषेक परमार, वीरेंद्र सिंह पिंटू, अजय मिश्रा, विकास सिंह बनाये गये । भारतीय जनता पिछड़ा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने जिला अध्यक्ष भाजपा पुष्पराज सिंह की अनुमति लेकर अपनी टीम की घोषणा की जिसमें छह जिला उपाध्यक्ष क्रमशः उषा मौर्या, सर्वेश चौरसिया, आनंद निषाद, समर बहादुर पटेल, भोले राजभर, अजीत सोनी, दो जिला महामंत्री प्रमोद प्रजापति, संजीव साहू, छह जिला मंत्री क्रमशः अच्छे लाल मौर्या, बृजेश पाल, मोखई विंद, विमल भोजवाल, श्रीमती दुर्गा मौर्या, रामअवतार मौर्या, कोषाध्यक्ष अवनींद्र यादव, शोध प्रमुख दीपक बिन्द, जिला कार्यालय प्रभारी अरविंद चौहान, जिला कार्यालय सह प्रभारी संजय गिरी, जिला मीडिया प्रभारी जगमेन्द्र निषाद, जिला सह मीडिया प्रभारी सत्येंद्र चौहान, जिला सोशल मीडिया प्रभारी आशीष जायसवाल, जिला सह सोशल मीडिया प्रभारी सुरेश चौहान, आठ जिला कार्यसमिति सदस्य क्रमशः रामप्यारे मौर्या, अजीत, पवन शर्मा, ममता मौर्या, किशन बिंद, प्रमोद गुप्ता, रेनू मोदनवाल, नरेंद्र मोदनवाल बनाये गये। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने पिछड़ा वर्ग मोर्चा के टीम को शुभकामनाएं देते हुये कहा कि पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता के नेतृत्व में बनी नई टीम अब चुनाव में पिछड़ी जातियों को भाजपा के पाले में लाने में अपनी महती भूमिका निभाएंगे और जौनपुर जनपद में पिछड़ी जातियों के दम पर ज्यादा से ज्यादा सीट लाने का प्रयास करेंगे।

फिरोजाबाद में डेंगू से 10 और मौतें, अस्पतालों में भीड़ किसी की बेड तो किसी की एंबुलेंस न मिलने से गई जान

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश में कोरोना का कहर भले ही कम हो गया हो, लेकिन अब वायरल बुखार और डेंगू तेजी से बच्चों को अपनी चपेट में ले रहा है। फिरोजाबाद में डेंगू से मौत के आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं। मंगलवार को 10 और लोगों की मौत के बाद यहां डेंगू से मरने वाले लोगों का आंकड़ा 153 हो गया है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार यहां पिछले 4 दिनों में 39 लोगों की मौत हुई है। इतना ही नहीं स्वास्थ्य विभाग ने योगी सरकार के दावे की पोल खोल कर रख दी है। अव्यवस्थाओं के चलते मरीज और उनके परिजन परेशान हैं। किसी को बेड नहीं मिल रहा तो किसी को एंबुलेंस। आलम यह है कि एक बेड पर दो से तीन मरीजों का इलाज किया जा रहा है। स्थानीय अस्पताल में अव्यवस्थाओं की वजह से जिंदगी दम तोड़ रही है। किसी को बेड नहीं मिल रहा तो किसी को एंबुलेंस। राजपूताना थाना दक्षिण की रहने वाली इकरा पुत्री शाहिद बुखार आने पर सोमवार को शौ शैय्या अस्पताल पहुंची। वह दर्द से कराह रही थी, इसके बावजूद मंगलवार को बिना डिस्चार्ज स्लिप के ही रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों ने परिजनों से कहा कि कहीं और ले जाओ। जिसके बाद परिजन काफी देर तक एम्बुलेंस का इतजार करते रहे लेकिन एंबुलेंस नहीं आई। भाई दर्द से कराह रही बहन को गोद में उठाकर चल दिया। एक घंटे बाद एंबुलेंस आई लेकिन तब तक किशोरी ने दम तोड़ दिया। भाई ने कहा अगर समय से एंबुलेंस आती तो मेरी बहन आज जिंदा होती। फिरोजाबाद में मंगलवार को जिन 10 लोगों की मौत हुई है उनमें 6 की उम्र 16 साल से कम है। फूल वाली गली ठारफूटा के रहने वाले राजकुमार (40) पुत्र भूपसिंह, मोहिनीपुर शिकोहाबाद की रहने वाली वैष्णवी (6) पुत्री योगेंद्र, न्यू रामगढ़ की सुमन (25) पत्नी बॉबी, जमुना नगर की सुग्रीव (10) पुत्री लोकेंद्र, हिमायूंपुर के अभी (3) पुत्र गोविंद, झलकारी नगर की हेमा (35) पत्नी जयप्रकाश, रामनगर की शिवान्या (6) पुत्री राम बहादुर, चिलासिनी की नंदिनी (3) पुत्री योगेश, राजपूताना की इकरा (16) पुत्री शाहिद और एक अन्य की डेंगू से मौत हो गई है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व मंत्री इंन्द्रन्दजीत सरोज ने सभा को संबोधित किया

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व मंत्री इंन्द्रन्दजीत सरोज का जनादेश यात्रा जौनपुर पहुंच कर हिन्दी भवन मे आयोजित सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि बसपा मे दलितों का शोषण है वे बसपा पार्टी नही रह गयीं वे एक दुकान बन गई है वहां कार्यकताओं का सम्मान नहीं है वहां सिर्फ जो ज्यादा पैसा देगा वह बसपा का टिकट ले जाएगा इसी तर्ज पर चल रही है बहुजन समाज पार्टी समाजवादी पार्टी मे ही दलित पिछड़े दबें कुचलें का सम्मान है भाजपा ने हमें बहुत आफर दिया भाजपा मे आने के लिए लेकिन हम जानते थे भाजपा मे दलित पिछड़े समाज के जो भी नेता है वे सिर्फ स्टेचू की तरह है वे अपने समाज की लड़ाई कभी नहीं लड़ सकते जब से भाजपा सरकार आई है हर वर्ग परेशान है किसानों नौजवान सब परेशान है योगी मोदी ने देश प्रदेश को कमजोर किया है भाजपा सरकार आरक्षण को भी खत्म कर रही है समाजवादी साथियों हम समाजवादी लोग है और जो सभी ने मन बना लिया है 2022 अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए चुनाव का इंतजार

समाजवादी होता है वो जातिवादी नहीं होता इस बार पिछडे दलित दबें कुचले समाज का हर वर्ग कर रही है विशिष्ट अतिथि के रूप मे पूर्व सांसद तुफानी सरोज ने कहा की भाजपा सरकार मे दलित समाज की हत्या बहुत हुआ लेकिन भाजपा ने एक भी अपराधी नहीं पकडा भाजपा का मानना है की दलित समाज जीवन भर मनुवादियों के अंन्दर ही काम करें देश आजाद हो गया लेकिन दलितों का सम्मान अधिकार अभी नहीं मिला है इनका अधिकार सिर्फ समाजवादी पार्टी ही दिला सकती है कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिलाअध्यक्ष लालबहादुर यादव ने किया जनादेश यात्रा के सभा मे मुख्य रूप से विधायक शैलेंद्र यादव ललई ,जगदीश सोनकर, लकी यादव, पूर्व विधायक गुलाब सरोज, अरशद खाँ,श्रद्धा यादव,जगदीश नरायन राय,राजबहादुर यादव,उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी,संजय सरोज,शकील अहमद, श्रवण जयसवाल, दीपचंद राम पप्पू रंधुवशी,रुक्शार अहमद,पूनम मौर्या दीपक गोस्वामी शिवजीत यादव गुड्डू सोनकर, भानुप्रताप मौर्या मालती निषाद,शेखु खाँ अलामाश,कमालुद्दीन अंसारी,आरीफ हबीब, सिमा खाँ ,सोनी यादव संचालन जिलामहाचिव हिसामुद्दीन शाह ने किया।

यूपी में कांग्रेस टिकट के लिए उम्मीदवारों को जमा करने होंगे 11000 रुपए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस ने पार्टी टिकट पर चुनाव लड़ने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवारों से आवेदन के साथ 11-11 हजार रु जमा करने के लिए कहा है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने इसे लेकर एक पत्र जारी किया है। पार्टी का कहना है कि यह पैसे सहयोग राशि के तौर पर जमा किए जाएंगे। कांग्रेस पार्टी ने चुनाव में टिकट देने से पहले उम्मीदवारों के लिए निर्धारित फॉर्मेट तय किया है। उम्मीदवारों को इस फॉर्म के जरिए इलेक्शन कमेटी में आवेदन करना होगा। कांग्रेस ने रूट लेवल कमेटियां बनाई हैं जिनमें पार्टी के न्याय पंचायत और ग्राम पंचायत अध्यक्ष हैं। ये कमेटियां कैंडिडेट को लेकर रिसर्च करेंगी और एक रिपोर्ट कार्ड इलेक्शन कमेटी को सौपेंगी। ये कमेटियां कैंडिडेट को लेकर रिसर्च करेंगी और एक रिपोर्ट कार्ड इलेक्शन कमेटी को सौपेंगी।

संक्षिप्त खबरें

जौनपुर में पंद्रह हजार सदस्य बनाएगा एबीवीपी

प्रखर जौनपुर। 1947 में भारत के आजाद होने के बाद भारतीय युवाओं को तब नई दिशा की आवश्यकता थी। उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकताओं ने विचार-विमर्श करते हुए विद्यार्थियों में राष्ट्रवादी भाव जागृत करने के उद्देश्य से संगठन की आवश्यकता महसूस की और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों के आधार पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना की गई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा 15 सितंबर से 30 सितंबर तक चलाए जाने वाले राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान को जौनपुर जिले के कार्यकताओं ने आज पूर्वांचल विश्विद्यालय एवं टीडी कॉलेज परिसर में शुभारंभ किया गया। पूर्वांचल विश्विद्यालय में सदस्यता अभियान का उद्घाटन विश्विद्यालय के डीन फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज डॉ अविनाश पथर्डीकर,अभाविप के विभाग शिक्षक कार्य प्रमुख डॉ अमरेंद्र सिंह एवं अभाविप के जिला प्रमुख डॉ मनोज पांडेय ने माँ सरस्वती एवं विवेकानंद के चित्र के आगे पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर के किया। इसके बाद डॉ अविनाश जी ने बताया कि विद्यार्थी परिषद राष्ट्रहित के भाव को लेकर शैक्षणिक संस्थानों में कार्य करने वाला राष्ट्रव्यापी संगठन है।अभविप राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए कार्य करने वाला संगठन है। यह विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन भी है, जहां पर राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने के साथ ही राष्ट्र हित में कार्य करने के लिए लोगों को छात्र जीवन से ही प्रेरित किया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को ज्ञान, शील, एकता का महत्व समझाते हुए भारत को विश्व गुरु बनाने में सभी को अपना सहयोग देने के लिए भी आह्वान किया। डॉ अमरेंद्र सिंह ने बताया कि छात्र शक्ति को राष्ट्र शक्ति बनाने के लिए काम कर रही एबीवीपी अपने स्थापना काल से ही राष्ट्रीयता की भावना जागृत करते हुए देश एवं छात्र हित में कार्य करती है। सामाजिक सद्भाव संगठन का मूल मंत्र है।जिला प्रमुख डॉ मनोज पांडेय ने बताया कि -अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महाविद्यालय में विद्यार्थियों की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए उनका निराकरण करवाती रही है एवं इसके अलावा भी राष्ट्रीय विषयों पर भी अपना पक्ष रखती है। देश के लिए आवश्यकतानुसार युवाओं को राष्ट्रभक्ति के लिए प्रेरित करने का भी कार्य विद्यार्थी परिषद सदैव करती है,सभी विद्यार्थियों को इससे जुड़ना चाहिए। इसके बाद डॉ अविनाश ,डॉ अमरेंद्र जी,डॉ मनोज पांडेय जी,विभाग सह सदस्यता प्रमुख सुमित सिंह एवं जिला के सदस्यता प्रमुख प्रिंस त्रिपाठी ने छात्र छात्राओं व शिक्षकों को सदस्यता रसीद काटकर उनको विद्यार्थी परिषद की सदस्यता दिलाई।

चन्दवक पुलिस ने अभियुक्त को 10 लीटर अवैध शराब के साथ किया गिरफ्तार

प्रखर चन्दवक जौनपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के कुशल निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर डा0 संजय कुमार एवं क्षेत्राधिकारी केराकत शुभम तोदी के निकट पर्यवेक्षण में तलाश वांछित/पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी के अभियान के क्रम में कार्यवाही करते हुए दिनांक 14.09.2021 को थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में चन्दवक पुलिस व आबकारी क्षेत्र 4 की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभि0 मुसम्मी पतिराज राजभ? पुत्र पलकधारी राजभ? उर्फ पलकू निवासी लोकापट्टी थाना चंदवक जौनपुर को एक जरिकेन में 10 लीटर अवैध शराब के साथ बगेरवा मोड़ गाजीपुर मोड़ से समय करीब 21.15 बजे गिरफ्तार किया गया। उक्त के संबंध में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रेतर कार्यवाही प्रचलित है।

भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी एवं मण्डल अध्यक्ष की परिचयात्मक बैठक संपन्न

प्रखर जौनपुर। मौर्यवंशी पैलेस में भाजपा जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष नरेन्द्र उपाध्याय की अध्यक्षता में मोर्चा के सभी पदाधिकारीयों एवं मंडल अध्यक्षों का परिचयात्मक बैठक किया गया। बैठक में आगामी कार्यक्रम को लेकर विचार विमर्श किया गया तथा निर्णय लिया गया की आने वाले 17 सितंबर 2021 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर मोर्चा के द्वारा किसान सम्मान एवं जवान सम्मान मनाया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री सुनील श्रीवास्तव ने नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों को माला पहना कर स्वागत किये और नवनियुक्त किसान मोर्चा के जिला पदाधिकरियों और मण्डल अध्यक्ष को उनके जिम्मेदारियों से अवगत कराया व होने वाली आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। जिला महामंत्री सुशील मिश्रा ने बताया कि आगामी 18 सितम्बर को 300 से अधिक किसानों को आजादी के 75 वर्ष पूरा होने पर लखनऊ में सम्मानित किया जाएगा, मोर्चा के पदाधिकारियों को आने वाले समय मे उनकी जिम्मेदारियों को विस्तार से बताया और कहा की आने वाले चुनाव में आप लोगो के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि राकेश टिकैत जैसे नेता को जो सपा और कांग्रेस के पाले में रहकर खेल रहे है और किसान भाइयों में केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के बारे में भ्रम फैला रहे है, उनका जबाब आप लोगो को ही किसान भाइयों के बीच मे जाकर देना है। इसके पहले मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की शुभारंभ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यर्पण और दीप प्रज्वलित कर की। कार्यक्रम का संचालन किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष विपिन द्विवेदी ने की। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री अमित श्रीवास्तव, पीयूष गुप्ता, जिला महामंत्री द्वय किसान मोर्चा इन्द्रसेन सिंह प्रदीप यादव, जिला उपाध्यक्ष राम सिंह, लक्ष्मीकांत मित्र, पंकज सिंह, घनश्याम यादव, नीरज मौर्य, जिला मंत्री संजय सिंह, ज्ञान त्रिपाठी, शोशल मीडिया प्रभारी दुर्गेश मिश्रा, जिला कार्यसमिति सदस्य मोहनलाल गुप्ता एव नव नियुक्त सभी मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने 21 सूत्रीय मांगो को लेकर दिया धरना

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 दिनेशचन्द्र शर्मा के आह्वान पर एक छत के नीचे कार्य करने वाले जिले में कार्यरत समस्त शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक, रसोइया, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं, कस्तूरबा गांधी ,आवासीय बालिका विद्यालयों के शिक्षकों का 14 सितम्बर को ब्लॉक संसाधन केंद्र केशरीपुर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्ष सनत कुमार सिंह के नेतृत्व मे सभी के हितों की 21 सूत्रीय मांगो को लेकर प्रदेश सरकार से अपनी मांगे मनवाने के लिए 11 बजे से 2 बजे तक धरना दिया गया, तथा मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन को संबोधित ज्ञापन भी रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से भेजा गया। सनत कुमार सिंह ने बताया कि प्रमुख मांगे पुरानी पेंशन बहाली सहित,कैश लेस चिकित्सा ,ए.सी. पी., उपार्जित अवकाश एवं द्वितीय शनिवार अवकाश,छात्रों को बैठने हेतु फर्नीचर , बिजली , पंखे ,पीने का शुद्ध पानी एवं विद्यालय की चहार दीवारी, प्रत्येक कक्षा पर अध्यापक , प्रत्येक विद्यालय में प्रधानाध्यापक , लिपिक , चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं चौकीदार,आकांक्षी जनपद सहित शिक्षकों के अन्तःजनपदीय एवं अन्तर्जनपदीय स्थानान्तरण, संविलियन समाप्त करने ,शिक्षकों के पदोन्नति , ऑनलाईन कार्य के नाम पर शिक्षकों का शोषण, न्यूनतम मूल वेतन 17140 व 18150 की विसंगति, सभी शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान,सेवानिवृत्त शिक्षकों पेंशनर्स की समस्याओं,सभी शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों , विशेष शिक्षक एवं कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों के शिक्षकों को स्थाई शिक्षक बनाने,सभी रसोईयों को स्थाई कर प्रतिमाह रुपये ?10,000 मानदेय,ऑगनवाड़ी सहायिका को ? 10,000 एवं आँगनवाड़ी कार्यकत्री को ? 15,000 प्रति माह मानदेय, परिवार नियोजन प्रोत्साहन भत्ता ,नगर प्रतिकर भत्ता बहाली एवं महंगाई भत्ते का एरियर भुगतान, सामूहिक बीमा की धनराशि रुपये ?दस लाख,वार्षिक प्रविष्टि का शासनादेश वापस लेने,उ0 प्र0 शिक्षा सेवा अधिकरण विधेयक 2021 वापस लेने,मृतक शिक्षकों के परिवारों को ग्रेच्युटी का भुगतान, मृतक शिक्षकों के आश्रितों को टी0 ई0 टी0 से मुक्ति, मृतक शिक्षकों के आश्रितों को लिपिक के अधिसंख्य पदों पर नियुक्ति,कोरोना महामारी एवं पंचायत निर्वाचन के दौरान मृत शिक्षक,शिक्षा मित्र एवं अनुदेशकों के परिवारों को 01 करोड़ रुपये का मुआवजा न देने,मृतक शिक्षा मित्र ,अनुदेशक एवं विशेष शिक्षक को आश्रित को नौकरी की मांग को लेकर हम सभी आंदोलित है। सरकार को तानाशाही रवैया न अपनाते हुए मांगों को स्वीकार कर लेना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि सरकार को हमारी मांगों को हर हाल में मान लेना चाहिए और सभी मांगे मानने योग्य है यदि मांगे नहीं मानी गई तो हम शिक्षक,शिक्षामित्र,अनुदेशक एवं सभी कर्मचारी मिल करके सरकार को परास्त करने का काम करेंगे। सभा का संचालन संजय राय द्वारा किया गया। धरना सभा में मुख्य रूप संघ के मन्त्री अनूप सिंह,सान्तेश्वर मिश्र, राजेश सिंह,कौशल सिंह,दरोगा सिंह, मनोज कुमार, ललित कुमार,डॉ सिद्ध नाथ पांडेय, शैलेंद्र सहाय,लक्ष्मी शंकर, परितोष सिंह,विजय लाल गुप्ता, मिथिलेश राय,राजेंद्र राय, प्रमोद सिंह,अनिल कुमार शर्मा, ज्ञान चंद, शशांक पांडेय, हरिराम यादव, उषा सिंह, अन्जूलता सिंह, प्रेमलता यादव,सरिता राय, रीना सिंह,रश्मि सिंह,चंद्रावती शर्मा, आस्ना रहमान, सीमा,नीलम राय, चंदा सिंह कुसुमकला,निंलिमा सिन्हा, आदि ने सम्बोधित किया।

वित्त विहीन शिक्षकों के साथ छलावा बंद करे सरकार-रमेश सिंह

प्रखर जौनपुर। जैसे ही कोई चुनाव निकट आता है,प्रदेश सरकार और उसके नुमाइंदे लाखों वित्त विहीन शिक्षक साथियों को केवल वोट बैंक समझते हुए, हवा-हवाई घोषणाओं की झड़ी लगा देते हैं ।उक्त बातें कहते हुए उ0 मा0शि0 संघ (सेवारत) के प्रदेश अध्यक्ष रमेश सिंह ने पिछले दिनों सरकार द्वारा वित्तविहीन शिक्षकों को चेक/बैंक खाते के माध्यम से भुगतान किए जाने सम्बन्धी जारी किए गए आदेश की कड़ी आलोचना करते हुए इसे आगामी विधानसभा चुनाव के लिए शिगूफा बताया है।रमेश सिंह ने यह भी कहा कि जब सरकार द्वारा कोई सेवा नियमावली बनायी ही नहीं गयी और सेवा दशा बनाते हुए शिक्षकों को चिन्हित ही नहीं किया गया तो फिर भुगतान किसे? करने का आदेश निर्गत किया गया है? पिछले कोरोना संकट के दौरान एक भी रुपए की मदद नहीं करने वाली सरकार वित्त विहीन शिक्षक साथियों के साथ केवल मजाक कर रही है और अफसोस की बात यह है कि पिछले विधान परिषद चुनाव में इन्हीं वित्तविहीन शिक्षकों के वोटों से चुनाव जीते सभी शिक्षक विधायकों के मुँह पर ताला लगा हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

राजा संतोष कुमार मिश्रा को सामाजिक एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पीएचडी की मानद उपाधि से हुए सम्मानित

प्रखर गम्भीरपुर /आजमगढ़। तहसील लालगंज के बालपुर खरैला में स्थित क्षेत्र का शिक्षित प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान एमएसडी ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन एवं समाजसेवी राजा संतोष कुमार मिश्रा के शिक्षा और सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट कार्य के लिए लैटिन अमेरिका हैती स्थित थियो फैनी यूनिवर्सिटी हैती द्वारा चेयरमैन राजा संतोष कुमार मिश्रा को पीएचडी की मानद उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बुधवार को एमएसडी ग्रुप आफ कॉलेज के प्रांगण में शिक्षकों एवं क्षेत्र के सम्मानित लोगों द्वारा चेयरमैन राजा संतोष कुमार मिश्रा को बुके देकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। अपने स्वागत समारोह से अभिभूत होकर उन्होंने उपस्थित लोगों एवं शिक्षित युवाओं से अपील करते हुए कहा कि देश की खुशहाली और तरक्की के लिए इस समय युवाओं का अहम योगदान है और हम देश के शिक्षित नौजवानों से अपील करते हैं कि सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा को ग्रहण करें और अपने पैरों पर खड़ा होकर समाज और राष्ट्र की सेवा करें इस अवसर पर मुन्ना गिरी गुरु जी महाराज, अरुण पाठक, रविंद्र कुमार मिश्रा रजिस्टार, अवधेश शर्मा, विंध्यवासिनी तिवारी, संतोष पाण्डेय, रविकांत तिवारी, विद्या शंकर मिश्रा, प्रशांत मिश्रा, हिमांशु मिश्रा, कुमारी दीक्षा राय, कंचन मिश्रा, वंदना राय, राहुल त्रिपाठी, धनंजय मिश्रा, जय हिंद यादव समेत आदि लोग उपस्थित रहे।

गणेश उत्सव का हुआ भंडारा सैकड़ों लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। विकासखंड मोहम्मदपुर के गंभीरपुर बाजार में बाजार निवासी संदीप सोनी विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अपने आवास पर गणेश प्रतिमा की स्थापना किए थे जिसका भंडारा मंगलवार शाम को था जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने गणेश जी का दर्शन करने के उपरांत भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। दर्शन के दौरान गणपति बप्पा मोरिया के जयकारे लगते हैं इस मौके पर शशिकांत उपाध्याय,मनीष राय, सपा नेता विनीत राय, ग्राम प्रधान संतोष कुमार, पत्रकार अभिषेक उपाध्याय, अशोक विश्वकर्मा, राहुल पाण्डेय,वीरेंद्र पाठक, इन्द्रेश राय, अनिल सिंह,संतोष उपाध्याय, राहुल राय समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

स्वर्णकार समाज के द्वारा शोक सभा का आयोजन किया गया

प्रखर केराकत जौनपुर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के पिता समाज सेवी मोहनलाल वर्मा(बाबु जी) के निधन पर राही काम्प्लेक्स सरायबिरू में केराकत स्वर्णकार समाज (पंजीकृत) द्वारा एक शोक सभा का आयोजन किया गया।जहां मृतकात्मा को श्रधांजलि देते हुए 2 मिनट का मौन धारण कर शोक व्यक्त किया गया।बाबू जी ने अपने जीवनकाल में सदैव समाज सेवा व परोपकार को ही अपना असली धर्म माना।उनके एक पुत्र आईएएस मनीष वर्मा, दूसरे पुत्र इंजीनियर व तीसरे पुत्र व्यवसायी हैं ।सभा में संरक्षक मंडल से नरायनसेठ राही,साहबलाल सेठ,राजकुमार सेठ,अशोक कुमार,विधिक सलाहकार डॉ राजेश वर्मा (बाल रोग)व डॉ रजनीश सोनी (नेत्र सर्जन),पूर्व स्वर्णकार अध्यक्ष सत्यनरायन सेठ, जौनपुर भाजपा पिछड़ा वर्ग जिलाउपाध्यक्ष आजीत सोनी,संस्था फाउंडर कृष्ण कुमार वर्मा,राजेश सेठ,विजय सेठ,मुन्नू सेठ(आशीष),रवि सेठ आदि लोग मौजूद रहें।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर सपा ने सौपा ज्ञापन

बस्ती। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व सभासद सिद्धेश सिन्हा ने बुधवार को अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को ज्ञापन देकर बस्ती रेलवे स्टेशन चौराहे से बस्ती सुगर मिल जाने वाली सड़क को 14-15वें वित्त आयोग अवस्थापना विकास निधि की कार्य योजना में सम्मिलित किये जाने की मांग किया। ज्ञापन में कहा गया है कि व्यापक जनहित में बस्ती रेलवे स्टेशन चौराहे से बस्ती सुगर मिल जाने वाली जर्जर सड़क को बनाया जाना आवश्यक है।

व्यापार मंडल बैठक में पत्रकार हुए सम्मानित

प्रखर चंदवक जौनपुर। स्थानीय बाजार के ब्यापार मंडल बैठक में बीते 12 सितम्बर को हुए सपथ ग्रहण समारोह के आय व्यय पर चर्चा करते हुए संरक्षक डॉ अजीत सिंह ने पत्रकार मेराज अहमद को उनके उत्कृष्ट कार्य पर मंगलवार देर रात्रि अंगवस्त्र देकर माल्यार्पण कर सम्मानित किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेंद्र प्रजापति व संचालन अध्यापक विनोद सिंह ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष त्रिलोकी गुप्ता, अतहर अली, नितिन बरनवाल, उमेश बरनवाल, गुड्डू यादव, कृष्ण कुमार सेठ,राजेश सिंह, सुरेंद्र सोनकर,राम प्रसाद भुवर, अविनाश गुप्ता, नीरज गुप्ता, आशुतोष सिंह, प्रधान चंद्रिका यादव, महेंद्र यादव, पंकज यादव, काजू, लल्ली गोंड़, रोहन सहित अन्य लोग रहे।

प्लेबैक सिंगर विनय पाण्डेय सानू जी के वायरल गाने के वीडियो में दिखे जितेंद्र शर्मा व भावना सिंह

प्रखर दानगंज वाराणसी। वाराणसी के रहने वाले प्लेबैक सिंगर विनय पाण्डेय सानू व पूजा श्रीवास्तव को इस गाने से बहुत सारा प्यार मिल रहा है।खुदा ने हुस्न दिया है तो क्या मार डालोगी।यूपी बिहार की क्वीन भावना सिंह काफी अच्छे ग्लैमरस लुक में दिखी है।जितेंद्र शर्मा का पहला एक्सपीरियंस रहा भावना सिंह जी के साथ ये गाना दिल्ली के लोकेशन पर शूट हुआ है।जितेंद्र शर्मा जी का कहना है कि काफी सपोर्टिंग एक्ट्रेस है भावना गाने को लिखे है प्रिंस प्रियदर्शी,इस गाने को संगीत दिए है सोनू सरगम ने और इसके वीडियो डायरेक्टर करन चौधरी है। करन चौधरी के डायरेक्शन का काफी प्रोत्साहन मिल रहा है दर्शक से इस गाने के डीओपी है कुलदीप शर्मा नंदकिशोर एडी शक्ति तिवारी मेकअप पवन मिश्रा जी ने किया है।डिजिटल मैनेजर हैप्पी सिंह आशीवार्द - समर सिंह & गुरुजी बिल्डर्स प्रोड्यूसर - जितेंद्र शर्मा है।किशन पांडे जी का विशेष सहयोग और यह गाना विनय पाण्डेय सानू ऑफिशियल से रिलीज हुआ है।अभी वीडियो आउट हुआ है और काफी प्यार आशीर्वाद मिल रहा है जितेंद्र शर्मा & भावना सिंह के जोड़ी को देखकर दर्शकों का काफी प्यार मिल रहा है।गाना इंस्टाग्राम रिल्स पर अभी ट्रेंडिंग चल रहा है।

आँल इंडिया रेलवे शु-शाईन वर्कर्स यूनियन के सुपौल जिलाध्यक्ष गणेश राम ने महंगाई को लेकर किया बैठक

प्रखर डेस्क। राधोपुर, जिला सुपौल में आँल इंडिया रेलवे शु-शाईन वर्कर्स यूनियन के सुपौल जिलाध्यक्ष गणेश राम ने महंगाई को लेकर बैठक किया और उन्होने बिहार और केन्द्र सरकार पर हमला बोलते हुए ,उन्होने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार है लेकिन इसके बावजूद लोगो को महंगाई से राहत नहीं मिल रही है। प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी, पलायन, शिक्षा और चिकित्सा के लिए सिर्फ और सिर्फ डबल इंजन कि सरकार दोषी है। उन्होने कहा कि बिहार की चिकित्सा व्यवस्था की ऐसी दयनीय हालत है। पेट्रोलियम पदार्थ, खाद्य पदार्थ, खाद्य तेल, दवाई के मूल्य पर सरकार नियंत्रण नहीं करना चाहती जिससे इसके दाम लगातार बढ़ रहे हैं। जुता पालिस करने वाला कामगार, ईट भट्टा काम करना मजदूर,किसान, रिक्शा चलाने सभी परेशान है। फुटपाथ किनारे जुता पालिस करने वाले कामगारों पर बिहार सरकार ध्यान नही दे रही है। हमारे यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राम रोहतास जिला के फुटपाथ किनारे जूता पालिस करने वाले लोगों को उनका हक अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष कर रहे है।आज रोहतास जिला के साथ- साथ के सभी गरीब मजदूर उनके साथ है बैठक मे अनिल राम, शंकर राम, सुभाष राम, प्रवेश राम।

कुपोषित बच्चों का पोषण आहार डकार जातीं है आंगनवाड़ी कार्यकत्री

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत नगर के सिपाह वार्ड में आंगनवाड़ी कार्यकत्री की कारगुजारी सामने आई है। आंगनवाड़ी कार्यकत्री पर गम्भीर आरोप है कि वह वार्ड में कभी आती ही नहीं है और बच्चों को मिलने वाला पोषक आहार भी डकार जाती हैं। इस संबंध में क्षेत्र में कई लोगों से पूछने पर पता चला कि दर्जनों लोगों के बच्चों का पोषक आहार कभी दिया ही नहीं गया अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि केंद्र सरकार से लेकर राज्य सरकार करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा कर कुपोषण के शिकार हुए बच्चों के लिए नित नए योजनाओं द्वारा पोषण सामग्री बांटी जा रही है। इसके तहत देसी घी, बिस्किट व पौष्टिक दाल व सत्तू आदि सामग्री बच्चे के परिवार को सौंपी जाती है। जिसका सिपाह वार्ड में कोई नामोनिशान दिखता नजर नहीं आ रहा है। कई परिवारों की तो शिकायत यह है कि आंगनवाड़ी कार्यकत्री को कभी हमने आज तक देखा ही नही ।

निषाद पार्टी अध्यक्ष संजय निषाद व उपद्रवियों की गिरफ्तारी की मांग

प्रखर वाराणसी/जौनपुर । विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के जौनपुर जिला अध्यक्ष एडवोकेट इंद्रजीत निषाद और वाराणसी जिला अध्यक्ष सुचित

कुमार साहनी के नेतृत्व में जौनपुर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। प्रदेश अध्यक्ष चौधरी लौटनराम निषाद के काफिले पर निषाद पार्टी के उपद्रवियों द्वारा 14 सितम्बर को महराजगंज थानांतर्गत लमहन पटवा गांव में हमला किया गया। गाड़ियों पर पत्थरबाजी की गई। आग लगाकर जलाने का प्रयास किया गया। वीआईपी प्रदेश सचिव मनोज यादव व गनेशराज मंडल की सूचना पर डायल यूपी 112 पुलिस बुलाया गया। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.संजय निषाद के उकसावे पर उपद्रवियों ने वीआईपी प्रदेश अध्यक्ष की गाड़ी पर पत्थरबाजी किया,आग लगाकर फूंकने व जलाने का प्रयास किया। वीआइपी पार्टी के प्रदेश महासचिव अनुराग सिंह यादव अन्नु, रामभारत निषाद, प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश नारायण निषाद,प्रदेश सचिव मनोज यादव,प्रदेश प्रधान महासचिव रामानंद निषाद,महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष पुष्पा देवी निषाद, युवा मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता सुभाष निषाद, जिलाध्यक्ष इंद्रजीत निषाद एडवोकेट, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष रंजना साहनी,वाराणसी जिलाध्यक्ष सुचित कुमार सहनी, सुमित सिंह के अगुवाई में निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद, दहशत गर्दी करने वाले उपद्रवियों पर मुकदमा पंजीकृत कर तत्काल गिरफ्तारी करने व वीआइपी प्रदेश अध्यक्ष को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग को लेकर अंबेडकर तिराहा से जिलाधिकारी कार्यालय जौनपुर तक मोर्चा निकालकर प्रदर्शन किया गया। वीआईपी पदाधिकारी व कार्यकर्ता निषाद पार्टी के दहशतगर्दों,निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद के विरुद्ध मुकदमा कायम कर तत्काल गिरफ्तारी व वीआइपी प्रदेश अध्यक्ष को सुरक्षा दिए जाने के संबंध में जोरदार प्रदर्शन किया।

सपा की बैठक में बूथ कमेटियों के गठन की समीक्षा हमारा बूथ सबसे मजबूत का लिया संकल्प

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विधान सभा चुनाव को देखते हुए समाजवादी पार्टी भी बूथ जीतने के लिए ताकत झोक दी है आज जिला महानगर के संयुक्त तत्वावधान में समाजवादी पार्टी के कार्यालय में बैठक हुई बैठक में बूथ कमेटियों के गठन की समीक्षा की गई। महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता नए लोगों को पार्टी से जोड़कर समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाएं। उन्होंने सभी सपाजनों से एकजुट होकर विधानसभा चुनाव में पार्टी जो भी प्रत्याशी घोषित हो अभी से व्यापक स्तर पर जमीन पर तैयारी कर बूथ कमेटी बनाकर सेक्टर प्रभारी नियुक्त करे। रोजाना महानगर संगठन के पदाधिकारीगण रिपोर्ट लेगे जो सीधे लखनऊ अग्रसारित किया जाएगा । बूथ कमेटी समीक्षा करने के लिए नेता व कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्री शर्मा ने कार्यकताओं से कहा कि आप सबसे पहले अपने बूथ को मजबूत करें,अगर बूथ मजबूत होगा तो आपका प्रत्याशी विधायक बनेगा। सरकार भी बनेगी और आपके काम भी होंगे। उन्होंने कहा कि 15 दिन के अंदर विधान सभा के प्रभारी द्वारा बूथ की समीक्षा की जाएगी। पूर्व मंत्री मनोज राय धूपचंडी ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार की नीति व नियम जनता से परे है। जनता महंगाई के तले दबी जा रही है। युवा बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। पूर्व मंत्री वीरेंद्र सिंह ने कहा कि जनता अब सपा की ओर देख रही है। जनता सत्ता परिवर्तन चाहती है। बैठक में मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा, जिला महासचिव आनन्द मौर्या,महानगर महासचिव जितेन्द्र यादव, पूर्व मंत्री वीरेंद्र सिंह,पूर्व मंत्री मनोज राय धूपचंडी, पूर्व जिलाध्यक्ष अखिलेश मिश्रा, वरिस्ठ नेता डॉ० ओपी सिंह, प्रदीप मौर्या उर्फ बेनाम मौर्या,महानगर उपाध्यक्ष रामबाबु यादव, महानगर उपाध्यक्ष ईरशाद अहमद, जगदीश यादव,उत्तरी विधानसभा अध्यक्ष अजय चौधरी, दक्षिणी अध्यक्ष शमीम अंसारी, कैन्ट विधानसभा अध्यक्ष दिलीप कश्यप,हरिशंकर विश्वकर्मा, पुत्तुल यादव, डॉ० रितिका रानी, पूजा सिंह, प्रिया राज अग्रवाल, ऐश्वर्या श्रीवास्तव, मोती लाल यादव, जिला प्रवक्ता संतोष यादव बब्लू, महानगर प्रवक्ता संदीप शर्मा,शिला विश्वकर्मा प्रदेश सचिव महिलासभा, महिलासभा महानगर अध्यक्ष पूजा यादव, पूर्व प्रदेश सचिव राजू यादव, प्रदीप मोदनवाल, राजबहादुर पटेल, अभिषेक विश्वकर्मा, संजीव विश्वकर्मा, मनोज यादव गोलू, पूर्व प्रदेश सचिव विवेक सिंह,शुभम सेठ गोलू, लोहिया वाहिनी महानगर अध्यक्ष दीपचंद गुप्ता,यूथ ब्रिगेड महानगर अध्यक्ष अब्दुल कलाम कुरैशी, कैन्ट महासचिव आशीष शर्मा, सुजित पाण्डेय शमशेर, रवि प्रकाश यदुवंशी, दिनेश प्रताप सिंह गुड्डू, जवाहर यादव, शिवपुर विधानसभा अध्यक्ष दयाराम यादव, सेवापुरी विधानसभा अध्यक्ष पखण्डी बिंद, जौहर प्रिंस, वली मोहम्मद, अरबाज खान आदि लोग मौजूद रहे।

बी आर सी ठेकमा पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर विशाल धरना प्रदर्शन हुआ

प्रखर गम्भीरपुर / आजमगढ़। मुख्य सचिव उत्तरप्रदेश को सम्बोधित 21 सूत्री मांगों का ज्ञापन खंड शिक्षा अधिकारी को सौंपा गया। उत्तरप्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के परिसर में कार्यरत बेसिक शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक, विशेष शिक्षक , आंगनवाड़ी कार्यकत्री , आंगनबाड़ी सहायिका , मध्याह्न भोजन योजना के अंर्तगत रसोईयां तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कार्यरत शिक्षक अपनी मांगों /समस्याओं के निराकरण हेतु निरन्तर ज्ञापन भेजकर अनुरोध करते आ रहे है ,परन्तु हमारी समस्याओं का निराकरण नही किया जा रहा है मंगलवार को विकास खंड ठेकमा के शिक्षक , शिक्षामित्र, अनुदेशक आदि ने ब्लॉक संसाधन केंद्र पर उपस्थित होकर धरना देते हुए सरकार से अपनी मांगों का निराकरण का अनुरोध किया। पुरानी पेंशन बहाली,कैशलेश चिकित्सा,बच्चों को बैठने हेतु फर्नीचर,बिजली, पंखे,पीने का शुद्ध पानी ,बाउन्ड्री वाल, अनुदेशकों, शिक्षामित्रों को नियमितीकरण, रसोइयों को मानदेय 10000प्रतिमाह, मृतक आश्रित को योग्यता अनुसार नौकरी दी जाए सहित 21 सूत्री मांगों के समर्थन में धरना दिया गया। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ ठेकमा के अध्यक्ष आशुतोष सिंह ,ब्लॉक मंत्री अनिल सरोज ,पूर्व माध्यमिक कल्याण समिति ठेकमा से मनीष गुप्ता, ब्लॉक मन्त्री रामवृक्ष भारती, सदाशिव तिवारी, रेखा सिंह, संतोष सिंह ,मयंक राय , अजीत राय, निशा मिश्रा वार्डेन कस्तूरबा विद्यालय, सहित समस्त शिक्षक, अनुदेशक, शिक्षामित्र, आंगनवाड़ी, रसोईयां, उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं